सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 317 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 31 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

झीरम हमले में अब 5 सितंबर को आएगा फैसला

रायपुर। झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में फैसला अब 5 सितंबर को आएगा। एनआईए कोर्ट ने फैसला पांच दिन के लिए टाल दिया है। पहले सोमवार (31 अगस्त) फैसला आने की उम्मीद थी। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि बाकी 10 आरोपियों पर फैसला आना है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज पेश किए हैं। 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने सबूतों के आधार पर आरोप साबित होने की दलील दी, जबकि बचाव पक्ष ने आरोपों को चुनौती दी है। सालों से पीड़ित परिवारों और पूरे प्रदेश की नजर इस मामले के फैसले पर बनी हुई है। अंतिम बहस के बाद अदालत का फैसला आने से इस मामले में न्यायिक प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंचेगी।

भिलाई निगम में जनदर्शन : 7 लोगों ने रखी समस्याएं

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को जनदर्शन आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देशानुसार निगम सभागार कक्ष में आयोजित जनदर्शन में 7 नागरिकों ने उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे के समक्ष अपनी मांग एवं शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनदर्शन में नागरिकों ने विभिन्न मूलभूत सुविधाओं, विकास कार्यों एवं व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण एवं आवश्यकतानुसार स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

बिलासपुर विमान हादसा, टायर फटने से 3 पहिए लॉक हुए

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट पर दिल्ली की अलायंस एयर की फ्लाइट 9I613 (VT-UDA) का टायर फटने से बड़ा हादसा टल गया। विमान रनवे पर रुक गया, वरना खेत की ओर जाने पर बड़ा हादसा हो सकता था। फ्लाइट में सवार एक यात्री ने बताया कि लैंडिंग के दौरान विमान को जोरदार झटका लगा। इसके बाद कुछ ही सेकेंड में जलने की गंध आने लगी। इससे यात्रियों में दहशत फैल गई। फिलहाल DGCA (Directorate General of Civil Aviation) की टीम मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में सामने आया कि एक टायर फटने के साथ बाकी 3 टायर भी लॉक हो गए थे। हालांकि, DGCA अब यह पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर कैसे फटा और हादसे की असली वजह क्या थी।

छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबान : अगले पांच दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबान है। देर रात से बारिश का दौर जारी है जो अगले पांच दिनों तक जारी रहेगा। राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और कई स्थानों पर आकाशीय बिजली और भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम बंगाल-उत्तर ओडिशा तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र पूरी तरह सक्रिय है। यह सिस्टम समुद्र तल से करीब 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव के कारण से छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक बारिश की रफ्तार बढ़ सकती है।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने सुबह 10 बजे तक कई जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में बारिश, तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कबीरधाम, मुंगेली, कोरिया और बलरामपुर में हलकी वर्षा की संभावना जताई गई है। इन इलाकों में यलो अलर्ट एक्टिव है।

हिंद महासागर में बढ़ेगा भारत का दबदबा, नौसेना से जुड़ा स्वदेशी तकनीक से बना आईएनएस निपुण

■ मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में आयोजित औपचारिक समारोह में किया गया कमीशन

मुंबई ए.। भारतीय नौसेना के बेड़े में एक नया और बेहद शक्तिशाली सदस्य शामिल हो गया है, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा और गहरे समुद्र में पनडुब्बी बचाव अभियानों को एक नया आयाम मिलने वाला है। भारतीय नौसेना के स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) आईएनएस निपुण को सोमवार (31 अगस्त 2026) को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में आयोजित होने वाले एक औपचारिक समारोह में कमीशन (सेवा में शामिल) किया गया।

ईएनएस निपुण भारतीय नौसेना का निस्तार-क्लास का डाइविंग सपोर्ट जहाज है, जिसका निर्माण सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल), विशाखापत्तनम की ओर से किया गया है और इसे 30 जुलाई 2026 को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था, जिसके बाद से ही इसका परीक्षण और इसे नौसेना में शामिल करने की अंतिम तैयारियां जारी थीं। आईएनएस निपुण का कमीशन होना रक्षा क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है। संस्कृत शब्द निपुण का अर्थ होता है- 'किसी कठिन कार्य में बेहद कुशल या पारंगत' इंडियन और यह पोत अपनी क्षमताओं से इस नाम को पूरी तरह सार्थक करेगा।

इस जटिल और विशेष रूप से डिजाइन किए गए पोत के निर्माण में 75 फीसदी से 80 फीसदी तक स्वदेशी कल-पुर्जों और प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया है। इसका डिजाइन और निर्माण रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत किया गया है। नौसेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस पोत की असली ताकत इसकी गति नहीं, बल्कि समुद्र में अत्यधिक लंबे समय तक टिके रहने का इसका असाधारण धैर्य है, जो इसे गहरे समुद्र के जटिल अभियानों को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

आईएनएस निपुण की खास बातें

सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम : गहरे समुद्र में सामान्य गोताखोरी गोताखोरों के शरीर पर भारी दबाव डालती है और बार-बार ऊपर-नीचे आने से उन्हें जानलेवा बीमारी- 'डीकंप्रेशन सिकनेस' या जिसे 'द बेंड्स' भी कहते हैं, हो सकती है।

पनडुब्बी बचाव के लिए 'मदर शिप' : अगर समुद्र की गहराई में कोई पनडुब्बी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, तो उसमें फंसे नाविकों की जान बचाने के लिए यह पोत गहन जलमग्नता बचाव वाहन के लिए एक मदर शिप यानी मुख्य जहाज की भूमिका निभाएगा।

डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम : आईएनएस निपुण आधुनिक कंप्यूटर, सैटेलाइट नेविगेशन, सेंसर और विशेष थ्रस्टर्स की मदद से बहती लहरों और हवा के बीच भी खुद को एक ही स्थान पर बिल्कुल स्थिर रख सकता है।

रिमोटली ऑपरेटेड सिस्टम : इस तकनीक में समुद्र-महासागर की गहराइयों में इंसान की जगह एक रोबोट को उतारा जाता है। कैमरों और उपकरणों से लैस ये रोबोट गहरे समुद्र से लाइव तस्वीरें भेजकर सूरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

लाइफसपोर्ट और मेडिकल अस्पताल : आईएनएस निपुण पर आठ बिस्तरों वाला एक आधुनिक अस्पताल, आईसीयू, एक ऑपरेशन थिएटर और टेलीमेडिसिन जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा हेलीकॉप्टर डेक भी मौजूद है।

नेपाल में बाढ़ के बाद अज्ञात शवों को दफनाने का काम शुरू

■ अब तक 919 की मौत, 4200 से ज्यादा लापता

काठमांडू ए.। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद अज्ञात शवों को दफनाने का काम शुरू हो गया है। चितवन के देवघाट जंगल में प्रशासन ने सैकड़ों कब्रें तैयार की हैं। पिछले दो दिनों में 196 शव दफनाए जा चुके हैं। लंबे समय तक पानी में रहने से कई शव खराब हो गए हैं, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। हर शव को पहचान नंबर देकर रिकॉर्ड किया जा रहा है। बाद में डीएनए जांच के जरिए पहचान कर शव परिजनों को सौंपने की कोशिश होगी।

बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। त्रिशूली-3 समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने से मलबा और कीचड़ हटाया जा रहा है। बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल-तिब्बत में 919 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले नेपाल में 903 मौतें हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है 4200 से ज्यादा लोग लापता हैं।

सुरंगों में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली-3 समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने पर जमा मलबा और कीचड़ हटाकर अंदर पहुंचने की कोशिश की जा रही है। रेस्क्यू टीमों में नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ भारत और चीन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीमें सुरंगों के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बताने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नईदिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें पेट्रोल पंपों पर दिए जाने वाले पेट्रोल में मिलाए गए इथेनॉल की सटीक मात्रा को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि पेट्रोल की रसीद, बिल और अन्य दस्तावेजों पर इथेनॉल का प्रतिशत स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए।

न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने याचिकाकर्ता और अधिवक्ता एन. के. गोस्वामी को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित हाई कोर्ट जाने की स्वतंत्रता दी। सुनवाई के दौरान एनके गोस्वामी ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार है कि वे जिस पेट्रोल को खरीद रहे हैं, उसमें इथेनॉल की कितनी मात्रा

मिलाई गई है। उन्होंने पेट्रोल की रसीद का हवाला देते हुए कहा कि उसमें इथेनॉल का कोई उल्लेख नहीं है और उपभोक्ताओं को ईंधन की संरचना की जानकारी मिलनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने याचिकाकर्ता को अपनी मांगों और शिकायतों के लिए संबंधित हाई कोर्ट में उचित राहत मांगने की छूट दे दी।

सिंगर हत्याकांड के 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर, 20 राउंड गोलीबारी

लखनऊ ए.। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के दो शूटरों सुमित और मोहित को यूपी पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में मार गिराया। शामली एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों शूटर बाइक से शामली से सोनीपत की तरफ भाग रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। दोनों तरफ से करीब 20 राउंड गोलियां चलीं। इसमें बदमाश सुमित (24) और मोहित (22) को गोली लग गई। पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुमित और मोहित सोनीपत के रहने वाले थे। दोनों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। दोनों ने अपने दो साथियों के साथ सिंगर की हत्या की थी। दो आरोपी सत्यम और आर्यन अब भी फरार हैं।

भारत में ही बनेगी जैवलिन मिसाइलः टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स व जैवलिन ज्वाइंट वेंचर ने किया करार

नईदिल्ली ए.। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम की खरीद के लिए समझौता किया है। वहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जैवलिन ज्वाइंट वेंचर ने भारत में जेवलिन ऑल अप राउंड (एयूआर) के सह-उत्पादन को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जैवलिन ज्वाइंट वेंचर रैथियॉन और लॉकहीड मार्टिन की साझेदारी है।

इस समझौते के बाद अब भारत में ही जैवलिन मिसाइलों का उत्पादन किया जा सकेगा। रक्षा सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को मिली आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत इन मिसाइलों की खरीद की जा रही है। भारत और

अमेरिका के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइलें खरीदेगी। यह खरीद ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को मिली आपातकालीन खरीद शक्तियों के तहत की गई है।

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और जैवलिन ज्वाइंट वेंचर के बीच हुए समझौते के बाद अब जैवलिन मिसाइल का उत्पादन दोनों कंपनियां मिलकर भारत में ही करेंगी। भारत को जैवलिन सीमित संख्या में मिलेंगी, क्योंकि आपातकालीन खरीद व्यवस्था के तहत एक उपकरण के लिए 300 करोड़ रुपये तक की खरीद की जा सकती है।

दोनों देशों के बीच यह समझौता

जैवलिन को दुनिया की चर्चित एंटी-टैंक मिसाइल प्रणालियों में गिना जाता है। दोनों देशों के बीच करीब 292 करोड़ रुपये का समझौता हुआ है। इसके तहत भारतीय सेना को करीब 60 जैवलिन एंटी-टैंक निर्देशित मिसाइलें मिलेंगी। यह खरीद आपातकालीन खरीद व्यवस्था के तहत की गई है। इसके तहत भारतीय सशस्त्र बलों को अपनी सैन्य क्षमता तेजी से बढ़ाने के लिए जरूरी हथियार खरीदने की अनुमति दी गई है।

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करें सुरक्षा जवाबदेही

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है।

> “ फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है।

दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं।

दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी।

अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेफ्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची करके उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अत: जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

पंजाब में चुनावी वादों के बीच भरोसा तलाशते मतदाता

ज्योति मल्होत्रा

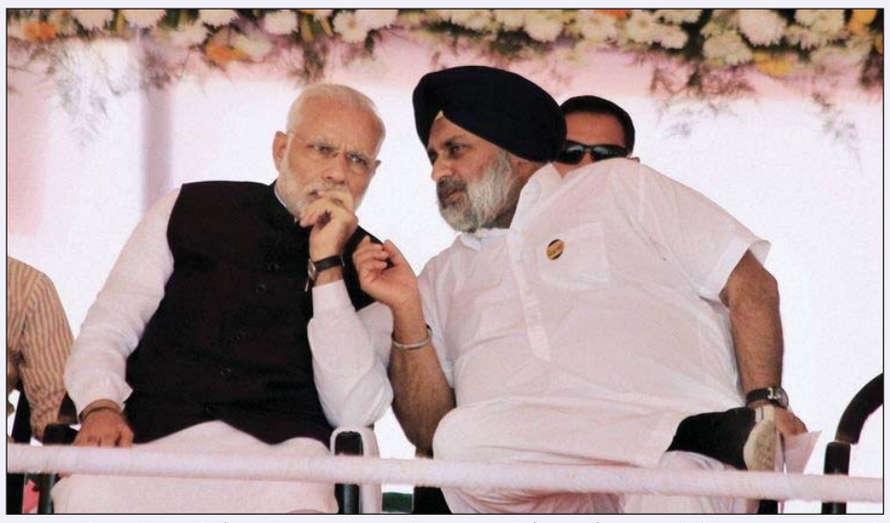

पंजाब विधानसभा चुनाव में चंद माह ही बचे हैं। राज्य में सियासी सरगर्मियां चरम पर हैं। प्रमुख दल भाजपा, अकाली दल, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अपनी-अपनी रणनीति के साथ चुनावी तैयारी में जुटे हैं। वादों के पिटारे हैं तो गंठबंधनों के आसार भी। पर मतदाता धर्म, जाति व प्रतीकों से नहीं, बल्कि जमीनी काम और राज्य-हित में किए गए प्रयास देखकर निर्णय लेंगे।

पिछले सप्ताहांत से पंजाब में सिर्फ़ मौसम ही नहीं बदल रहा है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, जो राज्य और देश के बाकी हिस्सों का पेट भरने वाली ज़मीन को सींचता है, हर साल की तरह समाप्ति पर है। इसके साथ ही हिंदू कैलेंडर का 'सावन' माह भी बीत गया। इसलिए, कल रात जब 'सावन' की आखिरी पूर्णिमा- यानी 'रक्खड़ पुन्या' या रक्षाबंधन-पर पूरा चांद निकला, तो उसकी चांदी सी चमक में आने वाले मौसम का राज़ भी छिपा था : कुछ ही महीनों बाद, सर्दियों में होने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब का ताज़ किसके सिर सजेगा?

ऐतिहासिक बाबा बकाला गुरुद्वारे में-जहां 1664 में नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की पहचान उजागर हुई थी- 'रक्खड़ पुन्या' के मौके पर चुनावी सरगर्मी शुरू हो गई। इस दिन पारंपरिक रूप से होने वाली रैलियों में सभी सियासी दलों ने ताकत दिखाई। पहली बार बीजेपी ने भी रैली की, जिससे संकेत मिला कि वह पंजाब में फिर वापसी करना चाहती है चाहे अपने पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से मिलकर या अकेले।

चुनाव में छह महीने बचे हैं और 'इंडिया टुडे' ग्रुप के 'मूड ऑफ द नेशन' पोल ने उल्टी गिनती को और तेज़ कर दिया है। इस पोल से पता चलता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए राष्ट्रीय वोट शेयर में 45.1 फीसदी के साथ काफी आगे है, जबकि इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39.1 प्रतिशत है-ज़ाहिर है, यहां प्रधानमंत्री मोदी को कोई चुनौती नहीं है। लेकिन बारीकी से राजनीति पर नज़र रखने वाले लोग देखेंगे कि एनडीए का वोट शेयर इस जनवरी में अनुमानित 47 प्रतिशत से 2 फीसदी कम हो गया है और यह एक साल पहले रहे 46.7 प्रतिशत से भी कम है।

तो अगले साल की शुरुआत में पंजाब के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले चुनावों के लिए इसका क्या मतलब है? निश्चित रूप से, बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनावों से चली आ रही अपनी जीत की लय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है - तब से उसने कई राज्यों में शानदार जीत हासिल की है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार हो या पश्चिम बंगाल।

अब बीजेपी पंजाब जीतना चाहती है। उसे मालूम है कि वह उत्तर प्रदेश जीत सकती है, भले ही राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हो; मणिपुर में भी जीत सकती है, भले ही वहां तीन साल से जातीय संघर्ष चल रहा है व अभी तक सुलझा नहीं; गोवा में भी, जहां वह लगातार तीन बार जीत चुकी। बंगाल जीतने के बाद, अब बीजेपी की महत्वाकांक्षा देश के दूसरे छोर तक फैल गई। इसीलिए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लोगों से अपील करने बाबा बकाला गए और कहा, हमें वोट दें, हम आपकी समस्याएं हल करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से लेकर कई लोग पंजाब को कुछ समय से यही संदेश दे रहे हैं। हम आपका कर्ज़ माफ़ करेंगे, सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए आने वाले नशों को रोकेंगे, खेती को बेहतर बनाएंगे, स्कूल ठीक करेंगे, सड़कें बनाएंगे और हरियाणा व राजस्थान के साथ पानी के बंटवारे का मुद्दा सुलझाएंगे। अनकहा संदेश? बीजेपी को वोट दें।

बेशक, पंजाब में कुछ खास बात है। यहां के लोग असाधारण दरियादिली दिखाते हैं- जैसे दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए गुरुद्वारों का खुलना और हाल के हफ़्तों में असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पंजाबियों का जाना- ऐसी दरियादिली देश के किसी दूसरे राज्य में नहीं दिखती। इसकी सीमा एक मुश्किल पड़ोसी से लगती है, लेकिन यह समझ नहीं आता कि बीजेपी करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से क्यों नहीं खोल रही। बंगाल के उलट - आज़ादी के बाद उसका रिश्ता भी आजादी के बाद के 80 सालों में ज़्यादातर समय दिल्ली के साथ कांटे का रहा है, सिवाय पिछले कुछ महीनों के- पंजाब को दो बार बांटा गया- हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के रूप में - और आतंकवाद, उद्योगों के पलायन और हरित क्रांति के विपरीत प्रभाव ने इसकी अपनी छवि को और कमज़ोर किया है। पंजाबियों का एक शब्द है, जिसे वे कई स्थितियों के लिए काफी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह उनके वजूद की सबसे गहरी भावना से जुड़ा है - वह शब्द है 'धक्का', मतलब- 'मुझसे ज़बरदस्ती मत करो'। मसलन, 'मेरे तों धक्के नाल कम ना कराओ। यानी, मुझे मेरी मर्ज़ी के ख़िलाफ कुछ करने के लिए मजबूर न करें'।

यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसे पंजाब को जीतने की चाह रखने वाले हर राजनीतिक दल को याद रखना चाहिए और अपने अंदरूनी दस्तावेज़ों में इसे एक नारे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। इस कहानी का बिना मांगा सबक यह है कि पंजाब के 2.1 करोड़ वोटरों को - जो अब 1.9 करोड़ रह गए हैं, क्योंकि गहन मतदाता पुनरीक्षण की छलनी से गुज़रने के बाद लगभग 20 लाख वोटर छंट चुके हैं - धर्म (सिख, हिंदू), जाति (जाट, खत्री, रविदासिया, रामदासिया, वाल्मीकि आदि), डेरों (राधा स्वामी, सचखंड बल्लां, सच्चा सौदा आदि), धर्मगुरुओं (संत निरंजन दास, राम रहीम) के आधार पर बांटकर आप मान लें कि इनके वोटों को इकट्ठा कर सकेंगे। जिस राज्य को आप जीतना चाहते हैं, उसे बदनाम न करें, यह कहकर कि स्कूलों की हालत खराब हैं, कॉलेज का हाल और भी बुरा है, बुड्ढा दरिया एक गंदा नाला भर है, उद्योग बेपरवाह होकर दूषित पानी इसमें डाल रहे, गुंडागर्दी और नशे का बोलबाला है- भले ही इनमें से अधिकांश सच हों। अगर आप राज्य जीतना चाहते हैं, तो उसे बेहतर बनाने में मदद करें। स्पष्टत: राज्य को आपकी मदद की ज़रूरत है।

अब जबकि पंजाब में चुनाव से पहले के आखिरी छह महीने के दौर में दाखिल हो चुका है, और यह निरंतर साफ़ होता जा रहा है कि न तो भाजपा और न ही शिरोमणि अकाली दल अकेले दम जीत हासिल करने को ज़रूरी जोश पैदा कर पा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री को अहसास है कि इस अनोखे हालात पर नज़र रखने की ज़रूरत है, इसीलिए उन्होंने गुजरात से अपने करीबी सहयोगी, नवसारी से चार बार के सांसद और गुजरात में भाजपा के पहले गैर-गुजराती प्रदेशाध्यक्ष, वर्तमान में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को इसकी ज़िम्मेदारी सौंपी है। दोनों पुराने सहयोगियों के बीच गठबंधन की संभावना इसलिए है कि उन्हें इसकी ज़रूरत है, न कि इसलिए कि वे ऐसा करना चाहते हैं।

यह मुकाबला लगातार काफी अनोखा होता जा रहा है। पंजाब में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सब्सिडी वाली योजना से सीख ली है - जैसा कि भाजपा ने देश के दूसरे हिस्सों (हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली) में महिलाओं के बैंक खातों में पैसे डालकर कामयाबी हासिल की थी, वैसा ही आप इस राज्य में कर रही है। कांग्रेस, जो शायद अच्छा प्रदर्शन कर सकती थी, उसे तीसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि राहुल गांधी यह तय नहीं कर पा रहे कि उनकी पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा- अगले हफ़्ते राज्य का उनका दौरा पार्टी में चल रही गुटबाज़ी पर आखिरी मुहर लगा देगा। इस बीच, जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह के संगठन 'वारिस पंजाब दे' और उसके बढ़ते प्रभाव को लेकर भी काफ़ी चर्चा हो रही है।

मतदान से पहले के, अगले छह महीने बहुत अहम हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि पंजाब के लोग राजनीतिक पार्टियों और उनके उम्मीदवारों का आकलन इस आधार पर नहीं करेंगे कि वे किस रंग की पगड़ी पहनते हैं - या पड़ोसी राज्यों से आने वाले नेता इसे कभी-कभार क्यों पहनते हैं - बल्कि इस आधार पर करेंगे कि रैलियों, भाषणों और नुक्कड़ सभाओं में वे जो कहते हैं, क्या सच में वही उनका मंतव्य भी है। जॉन एफ कैनेडी की मशहूर उक्ति को कुछ हेरफेर से कहें तो : 'यह मत पूछिए कि पंजाब आपके लिए क्या कर सकता है, बल्कि यह कि आप अपने प्यारे राज्य के लिए क्या कर सकते हैं।'

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

किशोरावस्था के गुस्से को रिश्तों पर स्थायी दाग न छोड़ने दें

एन. रघुरामन

शनिवार और रविवार की दरमियानी रात दो बजे आप किसी पब में कुछ घंटे नाचने-गाने के बाद थकी हुई घर लौटती हैं। घर पहुंचकर आप देखती हैं कि मुख्य दरवाजा अब भी खुला है। अंदर घुसते हुए आप बड़बड़ाती हैं- गैर-जिम्मेदाराना'! लेकिन असल कहानी यह नहीं है।

असल कहानी यह है कि आपके पिता ने हॉल की खिड़की से आपको अपने दोस्त की बाइक या टैक्सी से उतरते हुए देख लिया था। वे रात के दो बजे आपसे कोई चर्चा नहीं करना चाहते थे। लेकिन शाम आठ बजे जब आप घर से निकली थीं, तभी से उनकी नजरें दरवाजे पर ही लगी थीं।

वे अपनी प्यारी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहे थे। जब आप आखिरकार सकुशल घर पहुंचीं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकले। वह राहत की एक शांत नि:श्वास थी। उन्होंने ईश्वर को धन्यवाद दिया और सोने चले गए। लेकिन वे अभी सोए नहीं हैं।

शायद वे इंतजार कर रहे हैं कि आप उनके कमरे का दरवाजा खटखटाएं और कहें- सॉरी डैड, मुझे देर हो गई'। लेकिन इसके बजाय आप अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लेती हैं और रविवार की दोपहर तक सोती रहती हैं, जबकि पिता सुबह छह बजे ही उठकर सप्ताहांत के जरूरी काम निपटाने में लग चुके होते हैं।

कई परिवारों में सप्ताहांत कुछ इसी तरह गुजरते हैं। बच्चे को लगता है कि माता-पिता उसकी आजादी में दखल दे रहे हैं। माता-पिता को लगता है कि बच्चा उनकी चिंता को समझ ही नहीं पा रहा। और इसके बीच प्यार, गुस्से की परतों के नीचे कहीं दब-सा जाता है।

मुझे हाल ही में भोपाल में आयोजित एक इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान एहसास हुआ कि माता-पिता और बच्चों के बीच यह दूरी कितनी व्यापक हो चुकी है। मैंने वहां बच्चों से पूछा कि जिनको लगता है कि अपने पैरेंट्स, खासकर पिता के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए हैं, वे हाथ उठाएं।

मुझे उम्मीद थी कि कुछ हाथ उठेंगे। लेकिन सैकड़ों हाथ एक साथ उठ गए। वह दृश्य भूलना मुश्किल था। ये ऐसे बच्चे नहीं थे, जिन्होंने अपने पिता से प्यार करना बंद कर दिया था। ये बस उस उम्र में पहुंच चुके थे, जहां माता-पिता की हर सलाह उन्हें दखलअंदाजी लगने लगती है। वहीं किशोरावस्था में स्वच्छंदता का हर कृत्य

माता-पिता को खतरे की तरह दिखाई देने लगता है।

12 से 16 वर्ष की उम्र के बच्चों का अपने माता-पिता से झगड़ना स्वाभाविक है। यह बड़े होने की प्रक्रिया का हिस्सा है। वे आजादी चाहते हैं, निजता चाहते हैं और अपने फैसले खुद लेने का अधिकार चाहते हैं। जबकि माता-पिता अब भी अपने कंधों पर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी लिए होते हैं।

मैंने कुछ नोटबुक्स में लिखा देखा- आई हेट माय फादर'। शायद उस छोटे बच्चे ने यह नहीं सोचा होगा कि अगर उसके पिता ने अनजाने में ये शब्द पढ़ लिए तो उन पर क्या गुजरेगी। जिन माता-पिता ने बच्चों के लिए वर्षों तक अपनी सुविधाओं, पैसों, नींद और कई बार अपने सपनों तक को पीछे रखा हो, उनके लिए ऐसे शब्द उनके साथ किसी बहस से ज्यादा गहरा घाव दे सकते हैं।

वे शायद खुद से पूछें कि अपने बच्चे के लिए इतना कुछ करने के बाद क्या वो मेरे बारे में यही सोचता है? इसीलिए बच्चों को अपने गुस्से को अभिव्यक्त करते समय थोड़ा सावधान रहना चाहिए। गुस्सा अस्थायी होता है, लेकिन लिखे हुए शब्द स्थायी यादें बन सकते हैं।

माता-पिता के साथ अपने रिश्ते को सहेजकर रखने की अहमियत पर बच्चों से बात करते हुए मुझे यह सच एक बार फिर दिखाई दिया। मेरे सामने वो बच्चे थे, जो अब अपना कैम्पस जीवन शुरू करने जा रहे थे और आजादी की एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने को तैयार थे। लेकिन उनके पीछे वे माता-पिता खड़े थे, जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाया था।

बोलते-बोलते मेरी नजर कम-से-कम ऐसी 50 जोड़ी आंखों पर पड़ी, जो चुपचाप अपने आंसू पोंछ रही थीं। वर्षों तक उन्होंने अपने बच्चों का हाथ थामे रखा था। अब उनसे उनका हाथ छोड़ देने को कहा जा रहा था। शायद उन आंसुओं ने वह सब कह दिया, जो बच्चे अभी तक समझ नहीं पाए थे।

फंडा यह है कि जरूरत पड़े तो अपने माता-पिता से लड़ लीजिए। उनसे असहमति जताइए। अपनी आजादी भी मांगिए। लेकिन जब गुस्सा उतर जाए, तो वापस जाइए और उनसे सॉरी कह दीजिए। क्योंकि रात के दो बजे खुले दरवाजे के पीछे आपका इंतजार कर रहे लोग आपके दुश्मन नहीं हैं। वे वही हैं, जो यह प्रार्थना करते हैं कि आप सुरक्षित घर लौट आएं।

प्रगतिशील सोच और जागरूकता से ही समाधान

सुरेश सेठ

वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी?

भारत को प्रगतिशील, आधुनिक और विश्व के अग्रणी देशों में गिनते हुए हम नहीं थकते। देश की प्राचीन सांस्कृतिक गरिमा हमें गर्व का अनुभव कराती है, लेकिन मध्यकाल से लेकर आज तक चली आ रही अनेक जर्जर रूढ़ियां और परंपराएं हमें शर्मिंदा भी करती हैं। दास प्रथा भले ही समाप्त हो चुकी हो, पर छुआछूत, दहेज, बाल विवाह, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और सामाजिक आडंबर जैसी कुरीतियां किसी न किसी रूप में आज भी मौजूद हैं।

शादियों में बढ़-चढ़कर खर्च करना और दिखावे के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करना एक प्रकार का कारोबार बन चुका है। डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग भी चाहता है कि ऐसी शादियां भारत के सुंदर स्थलों पर हों, ताकि देश का धन देश में रहे, किंतु धनी वर्ग विदेशी स्थलों की ओर आकर्षित होता है। इससे अनावश्यक विदेशी खर्च बढ़ता है। जनजागरण के तमाम प्रयासों के बावजूद पुरानी रूढ़ियां नए रूपों में बार-बार सामने आ जाती हैं।

वर्षों से सामाजिक और कानूनी अभियानों के बावजूद देश में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। यह माना जाता है कि आज लड़कियों को शिक्षा, प्रतियोगिताओं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। फिर

भी कुछ राज्यों में बाल विवाह जारी हैं। कहीं न कहीं सामाजिक दबाव इसके लिए जिम्मेदार है।

महिला बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, 27 अगस्त 2026 तक देश में बाल विवाह से जुड़े 3,863 मामले सामने आए। प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से 3,405 बाल विवाह रोके गए, जबकि पुलिस शिकायतों, बाल कल्याण समितियों की रिपोर्टों और विवाह निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को मिलाकर 458 मामले दर्ज हुए। ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या समाप्त नहीं हुई है और सामाजिक जागरूकता के दावे पूरी तरह वास्तविकता से मेल नहीं खाते।

बाल विवाह रोकने के मामले में मध्य प्रदेश सबसे आगे रहा, जहां 703 विवाह रोके गए। इसके बाद झारखंड में 534, हरियाणा में 531, त्रिपुरा में 353 और आंध्र प्रदेश में 326 बाल विवाह रोके गए। दूसरी ओर, बाल विवाह संबंधी आपराधिक मामलों में महाराष्ट्र में 154, राजस्थान में 152, पश्चिम बंगाल में 96 और छत्तीसगढ़ में 84 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय के अनुसार मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में देशभर की कुल शिकायतों का बड़ा हिस्सा केंद्रित रहा। कुछ राज्यों में त्वरित पुलिस कार्रवाई से रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली, जिनमें हरियाणा और तमिलनाडु शामिल हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम तथा दादरा एवं नगर हवेली से बाल विवाह की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि पूरा देश एक जैसी सामाजिक परिस्थितियों में नहीं जी रहा। फिर भी जिन बड़े राज्यों में आर्थिक और भौतिक विकास के दावे अधिक हैं, वहां भी बाल विवाह जैसी कुरीतियों का बने रहना हमारी प्रगति की असमान और विरोधाभासी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

बाल विवाह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक दबाव, लैंगिक भेदभाव और कई अन्य विकृत मानसिकताओं से जुड़ी समस्या है। जिस देश में तेज आर्थिक विकास, मोबाइल और डिजिटल पहुंच तथा शिक्षा के विस्तार के दावे किए जाते हैं, वहां दहेज प्रथा का निर्बाध बने रहना भी गंभीर विरोधाभास है।

दहेज को अक्सर 'उपहार' का नाम देकर सामाजिक स्वीकृति देने की कोशिश की जाती है, लेकिन विवाह और तलाक से जुड़े विवादों से स्पष्ट होता है कि आज भी लड़कियों के परिवारों पर कार, मकान और अन्य महंगी वस्तुएं देने के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव डाला जाता है। विडंबना यह है कि विवाह संबंध तय करते समय लड़की के परिवार की आर्थिक क्षमता का आकलन इस दृष्टि से किया जाता है कि उपहारों के नाम पर कितना लाभ प्राप्त हो सकता है। धनाढ्य वर्ग में भी बेमेल विवाह और आर्थिक हैसियत के आधार पर रिश्तों का निर्धारण दिखाई देता है।

अत: यह मान लेना आत्मप्रवंचना होगी कि भारत ने पुरानी सामाजिक कुरीतियों से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। आधुनिकता केवल तकनीक, धन, उपभोग और ऊंची इमारतों से नहीं आती। वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी और भारतीय समाज अपने व्यवहार में सच्ची प्रगतिशीलता कब अपनाएगा?

लेखक साहित्यकार हैं।

मतलब निकल गया तो...

महानगरीय संस्कृति में कुछ ज्यादा और वर्तमान मानवीय व्यवहार में कुछ-कुछ, कहीं-कहीं, मतलब निकल गया तो पहचानते नहीं, चलन में है। जब मतलब है तो बहुत सारी बातें और काम निकल गया, या जब समझ गए कि यहां से कोई काम नहीं होना, तो फिर किस बात की जान-पहचान।

इंसानों के बीच तो यह मामला था ही, अब पशुओं के संदर्भ में भी यह मानवीय अत्याचार आम होता लगता है। वह भी उस पालतू के साथ, जिसने आदमी को अपना सब कुछ मान लिया। दिल्ली सहित महानगरों में यह आम है।

कुत्ते को आवारा छोड़ देते हैं। पिछले दिनों दिल्ली के एक पॉश क्षेत्र में यह बहुत दिखा। कई जगह तो यह भी सुनने में आता है कि लोग दुधारू पशु को भी तब छोड़ देते हैं, जब वह दूध देना बंद कर देता है।

खैर, उसके कई कारण हो सकते हैं, जैसे घर, शहर बदलना, कुत्ते का काट लेना, कुत्ते का बीमार होना, आदि-इत्यादि। तब क्या, हम जिससे प्यार करते हैं, उसे किसी भी कारण से छोड़ देना मानवता तो नहीं है..? वह भी तब, जब पालतू कुत्ता अपने पालने वालों की हर खुशी का ध्यान रखता है।

उसे अपना मालिक ही सबकुछ लगता है। घर आने पर वह खुशी कोई अपना भी रोज-रोज नहीं दे सकता, लेकिन यह बेजुबान देता है। घर आने का इंतजार, दरवाजे को ताकते रहना, घर आते ही इतराने लगना। आदि-इत्यादि।

नि:संदेह, शौक के लिए कुत्ता मत पालिए। मनोरंजन के लिए मत पालिए। कुत्ता पालना एक बड़ी जिम्मेदारी है। परिवार का एक सदस्य बढ़ जाता है। और परिवार के सदस्य की देखभाल, प्यार, सब कुछ देना पड़ता है। वही फिर लौटकर मिलता है। बाकी, पालतू कुत्ते को सड़क पर छोड़ने का पाप, महापाप है।

कुल मिलाकर सार यह है कि अगर नहीं देखभाल कर पाते हैं तो जानवरों को पालने का शौक मत पालिए। यदि पाल लिया तो फिर उसकी पूरी तरह से देखभाल करनी होगी।

समय-समय पर उसका वैक्सीनेशन और उसकी सफाई का भी पूरा ध्यान देना होगा। साथ ही यह ध्यान भी रखना होगा कि आपका पालतू पशु किसी और के लिए मुसीबत न बन जाए। इसके अलावा आवारा कुत्तों को शेल्टर में रखने वालों की मदद करना भी अच्छी बात है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

पद्मनाभपुर में रामेश्वरम धाम की तर्ज पर 108 फीट ऊंचे पंडाल में विराजेंगे गणपति बप्पा

दुर्ग। पद्मनाभपुर में इस वर्ष गणेश उत्सव का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति द्वारा मिनी स्टेडियम में रामेश्वरम धाम की तर्ज पर 108 फीट ऊंचा विशाल गणेश पंडाल तैयार किया जा रहा है। पंडाल निर्माण में कलकत्ता से आए कारीगर करीब एक माह से जुटे हुए हैं। समिति के अनुसार पंडाल में 12 फीट ऊंची भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। गणपति जी का 21 पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक किया जाएगा। श्रद्धालुओं को प्रतिदिन 1008 रुद्राक्ष तथा रामेश्वरम के 22 तीर्थ कुंडों के जल का प्रसाद वितरित किया जाएगा। गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को पंडाल परिसर में रामेश्वरम धाम, धनुषकोडी और रामसेतु के निःशुल्क दर्शन कराने की व्यवस्था की जाएगी।

सेक्टर-6 कालीबाड़ी में नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित कालीबाड़ी परिसर में नवगठित कार्यकारी समिति का पदभार ग्रहण समारोह और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव उपस्थित रहे। समारोह के दौरान नई समिति के पदाधिकारियों ने शपथ लेकर जिम्मेदारियां संभालीं। अध्यक्ष दीप चटर्जी के नेतृत्व वाली इस कार्यकारिणी के कुछ सदस्य शहर से बाहर होने के कारण शामिल नहीं हो सके। पौधरोपण के जरिए परिसर को हरित, स्वच्छ और सुंदर बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। विजय बघेल ने कालीबाड़ी से अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि मंदिर और समाज के विकास के लिए निरंतर बेहतर कार्यप्रणाली अपनानी होगी।

रक्षाबंधन पर हजारों बहनों ने विधायक देवेंद्र यादव को बांधी राखी बोले- भिलाई मेरा परिवार, बहनों का प्यार मेरी सबसे बड़ी पूंजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की ओर से सेक्टर-5 में भव्य रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। पूरे विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां कार्यक्रम में शामिल हुईं। बहनों ने विधायक देवेंद्र यादव को तिलक लगाकर राखी बांधी और उनकी लंबी उम्र, स्वस्थ जीवन एवं सफलता की कामना की।

सेक्टर-5 में भव्य रक्षाबंधन समारोह...

सुबह से ही सेक्टर-5 स्थित आयोजन स्थल पर बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। कार्यक्रम में आने वाली महिलाओं के लिए बैठने, भोजन और सुरक्षा सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई थीं। छत्तीसगढ़ी गीतों और सुआ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने रक्षाबंधन के उत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की रंगत भी घोल दी।

महिलाओं के लिए विशेष भोजन और मनोरंजन की व्यवस्था भी की गई थी।

बहनों से राखी बंधवाने के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि भिलाई मेरा परिवार है। यहां की बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत और पूंजी है। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और अपनत्व के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर है। अपनी भिलाई की बहनों के साथ हर साल यह पर्व मनाना मेरे लिए बेहद खास और भावुक क्षण होता है।

उन्होंने कहा कि बहनों का यह स्नेह उन्हें जनसेवा के लिए और अधिक ऊर्जा देता है। आप सभी का प्यार और विश्वास मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक भाई के रूप में मैं हमेशा अपनी बहनों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहूंगा।

महिलाओं ने विधायक देवेंद्र यादव को अपना आशीर्वाद दिया। महिलाओं ने कहा कि विधायक से उनका रिश्ता केवल एक जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि भाई और अपनत्व और विश्वास का रिश्ता है। बहनों ने उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

विधायक देवेंद्र यादव ने समारोह में शामिल सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपका स्नेह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। भिलाई की बहनों का यह प्यार और आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ बना रहे, यही मेरी कामना है।

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री गंगाधर सेवा संघम (डोकुलपाडु), भिलाई द्वारा वार्ड क्रमांक 29, वृन्दा नगर में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड की जनता ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए बड़ी संख्या में पहुंचकर दंत परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया।

इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर में रूंगटा डेंटल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। चिकित्सकीय टीम द्वारा शिविर में पहुंचे लोगों का दंत परीक्षण किया गया तथा दांतों की देखभाल, स्वच्छता एवं दंत रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में श्री गंगाधर सेवा संघम के अध्यक्ष श्री एम. पापाराव, महासचिव व्ही. अप्पाराव, कोषाध्यक्ष पी. कामेश्वर राव, उप महासचिव एम. आदिनारायण, उप कोषाध्यक्ष ए. कृष्णा, के. उमाशंकर राव, के. राजू, जी. माधव राव, एम. बाबूराव, सागुरु नारायण स्वामी, एम. अप्पाराव, एम. धर्माराव, पी.वेंकट राव, यू. अनिल कुमार, वी. नवीन, के. रवि, एम. तनिष, वी. कामेश, एन. मल्लेश, एल. पुन्नय्या, के. जोगैया, यू. गणपति, एल. पोतन्ना, सुधारकर, डी. राजू सहित संघ के सम्माननीय सदस्यगण उपस्थित रहे। साथ ही वार्ड क्रमांक 29 के नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा समाज सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। शिविर के सफल आयोजन के लिए रूंगटा डेंटल कॉलेज की टीम, वार्डवासियों तथा श्री गंगाधर सेवा संघम के सभी सदस्यों का सहयोग एवं सहभागिता सराहनीय रही। और समाज की ओर से रूंगटा डेंटल कॉलेज के डॉक्टर्स को शील्ड से सम्मानित किया गया।

चीन में 25 देशों के कार्टूनिस्टों के बीच सराही गई राव की कला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व सीनियर मैनेजर और जाने-माने कार्टूनिस्ट बी.वी. पांडुरंग राव के बनाए कार्टून को चीन के तिर्ज़ा टोफू आर्ट म्यूज़ियम में इंटरनेशनल इनविटेशनल एग्जिबिशन (अंतर्राष्ट्रीय आमंत्रण प्रदर्शनी) में प्रदर्शित किया गया। राव को इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रदर्शनी में उनके कार्टून और उनकी शानदार उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही आयोजकों की ओर से स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

82 वर्षीय पांडुरंग राव इसे अपने लिए एक महत्वपूर्ण सम्मान मानते हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के 25 देशों के 37 प्रमुख कार्टूनिस्टों के बीच भारत से वे इकलौते कार्टूनिस्ट थे जिन्हें इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। यहां कुल मिलाकर 64 कार्टून प्रदर्शित किए गए थे।

उल्लेखनीय है कि भिलाई स्टील प्लांट में सेवा के दौरान शुरुआती दिनों में राव के कार्टून बीएसपी के प्रकाशनों और दैनिक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित होते थे। वहीं बीएसपी से रिटायर होने के बाद भी उन्होंने अपना जुनून बनाए रखा और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों के साथ नई ऊंचाइयां हासिल कीं। 1996 से अब तक उन्होंने 350 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय कार्टून प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और कई पुरस्कार जीते हैं। इन दिनों बेंगलुरु में निवासरत राव को उनके काम को 50 से अधिक देशों में प्रदर्शनियों और संग्रहालयों के लिए चुना गया है। उनके नाम 14 लिम्का बुक रिकॉर्ड, 15 इंडिया बुक रिकॉर्ड और 14 वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। हाल ही में, कार्टूनिंग और पर्यावरण जागरूकता में उनके योगदान के लिए उन्हें नई दिल्ली स्थित 'वर्ल्ड कल्चर एंड एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन कमीशन' द्वारा मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। वे अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय भिलाई स्टील प्लांट और भिलाई के लोगों को देते हैं।

निधन

श्रीमती भगवन्ती देवी

भिलाई। रोज 92 तालपुरी निवासी श्रीमती भगवन्ती देवी का 30 अगस्त की रात्रि सेक्टर 9 चिकित्सालय में निधन हो गया वे 86 साल की थी। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 01 सितंबर को शिवनाथ नदी के तट पर किया जायेगा, सुबह 10:30 बजे उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा प्रारंभ होगी दुर्ग में शिवनाथ नदी के तट पर किया जायेगा। वे भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त महाप्रबंधक सुशील कुमार सिंह, श्रीमती ऊषा सिंह की मां,सौरभ सिंह, वैभव सिंह की दादी थी।

भगवान आशुतोष का पूजन-अर्चन कर की सुख-समृद्धि की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रावण मास के पावन अवसर पर कैंप-1 स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर में श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर भगवान आशुतोष का आचार्य पंडित ओमप्रकाश द्विवेदी ने विधि विधान से रुद्राभिषेक कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में उपस्थित रहे और भगवान शिव की आराधना कर प्रदेश एवं समाज के कल्याण की कामना की। श्रावण मास के पूरे महीने चलने वाली शिव आराधना के समापन अवसर पर भक्तों ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान के नाम से आहुति अर्पित की और सामूहिक रूप से आरती की। पूरे मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष स्वीटी कौशिक भी अपने परिवार के साथ मंदिर पहुंचीं। उन्होंने भगवान आशुतोष का पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान भक्तों ने भगवान शिव से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना और आस्था का पर्व है। इस दौरान की गई सामूहिक पूजा से मन को आध्यात्मिक शांति मिलती है और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आयोजन का समापन भगवान शिव की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भक्तों ने भगवान आशुतोष से सभी के कल्याण की कामना की।

साधु-साध्वियों के दर्शन-वंदन को पहुंचे भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के पदाधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति, दुर्ग के पदाधिकारियों ने आज दुर्ग शहर में विराजित विभिन्न साधु-साध्वियों के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के पदाधिकारियों ने जिनचंद्र सूरिश्वर जी महाराज, विराग मुनि जी, डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज, मनीष मुनि जी, प्रणत मुनि जी तथा साध्वी संगीता जी म.सा. एवं साध्वी रिजु प्रज्ञा जी म.सा. के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर साधु-साध्वियों ने भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। महाराज ने भगवान महावीर के अनेकांतवाद की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान महावीर का दर्शन हमें विचारों की व्यापकता, सहिष्णुता और समन्वय का संदेश देता है। उन्होंने कहा, हम भगवान महावीर को तो मानते हैं, पर भगवान महावीर की शिक्षाओं को नहीं मानते।

समिति के पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया तथा भगवान महावीर के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

राज्य खेल अलंकरण समारोह में साइकिल पोलो खिलाड़ियों का जलवा

भिलाई के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय खेल दिवस पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय खेल अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। समारोह में साइकिल पोलो के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपमुख्यमंत्री व खेलमंत्री अरूण साव व दुर्ग लोकसभा सांसद एवं छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बघेल की उपस्थित में खिलाडियों को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार बबीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने बताया कि राज्य खेल अलंकरण समारोह में विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के पदक विजेता भिलाई के कुल 61 साइकिल पोलो खिलाड़ियों को खेल दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। यहां साइकिल पोलो में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। इसी उपलब्धि के के कारण भिलाई के 61 पदक विजेता खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण समारोह में सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में सब-जूनियर बालक एवं बालिका, जूनियर बालक एवं बालिका तथा सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग के पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के अनुरूप सम्मान राशि प्रदान की गई। सब-जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 10,000, रजत पदक विजेता को 5,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 4,000 की सम्मान राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 15,000, रजत पदक विजेता को 10,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 7,000 की राशि प्रदान की गई। वहीं सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता को 25,000, रजत पदक विजेता को 20,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 15,000 की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर बीएसपी साइक्लिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अध्यक्ष डॉ. रमेश श्रीवास्तव, साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव तोशेंद्र वर्मा सहित साइकिल पोलो संघ के सभी पदाधिरियों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विभिन्न दलों के कप्तान

- सब जूनियर बालक : भावेश निर्मलकर
- सब जूनियर बालिका : कुमारी गुंजन साहू
- जूनियर बालक वर्ग : पंकज सिन्हा
- जूनियर बालिका वर्ग : कुमारी इशिता सिन्हा, सीनियर पुरुष :रोहन टांडी
- फेडरेशन कप पुरुष : चंद्रशेखर साहू
- सीनियर महिला वर्ग : कुमारी पूनम देवी
- फेडरेशन कप महिला : लक्ष्मी निर्मलकर तथा मिक्स चैंपियनशिप : विकास कुमार

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
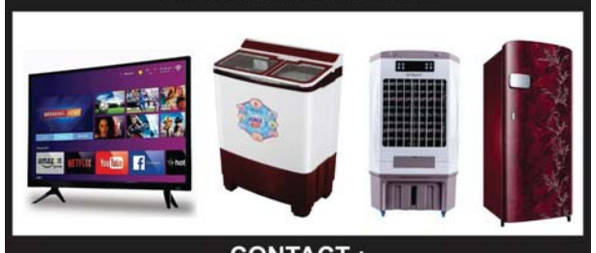
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

'मन की बात' में देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों व प्रेयक प्रयासों को मिलती है राष्ट्रीय पहचान

राष्ट्र की निःस्वार्थ सेवा करने वालों को सामने लाते हैं मोदी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी के निरंजन धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 137वीं कड़ी का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का देश के 140 करोड़ नागरिकों से आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे नवाचारों, प्रेरक प्रयासों और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले लोगों की उपलब्धियों को पूरे देश के सामने रखते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देशवासियों को प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम की प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इसमें ऐसे अनेक विषयों और व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हैं, जिनके बारे में सामान्यत: देश के लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इससे जहां अच्छे कार्य करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ता है, वहीं उनके प्रयास लाखों देशवासियों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश के दूरस्थ गांवों और छोटे-छोटे क्षेत्रों में अनेक लोग बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज तथा राष्ट्रहित में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा है, कोई स्वच्छता के लिए कार्य कर रहा है, तो कोई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से नवाचार कर अपने क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य लोगों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। इससे देश में सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है तथा दूसरे लोगों को भी कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' की विभिन्न कड़ियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छत्तीसगढ़ और यहां के उल्लेखनीय प्रयासों का उल्लेख किया है। बस्तर ओलंपिक से लेकर मल्हार में मिले प्राचीन ताम्रपत्रों और काले हिरण के संरक्षण तक, छत्तीसगढ़ की विशिष्टताओं और उपलब्धियों को प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने रखा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ के नवाचारों, संस्कृति, विरासत और सकारात्मक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर स्थान दिया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गौरव की बात है। इससे छत्तीसगढ़ के अच्छे कार्यों को देशभर में पहचान मिलने के साथ प्रदेश के लोगों का उत्साह भी बढ़ता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को एक सूत्र में जोड़ती है। यह कार्यक्रम नागरिकों को स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, नवाचार, समाजसेवा और राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों के लिए प्रेरित करने के साथ जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह सतत संवाद देशवासियों में कर्तव्यबोध जगाकर विकसित भारत के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू एवं पुरंदर मिश्रा, संतजन, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नशा केवल किसी एक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज को झेलने पड़ते हैं। स्वस्थ, समर्थ और ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। उन्होंने प्रदेशवासियों से नशामुक्ति के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाने और युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

'हर घर तिरंगा' अभियान में झलका देशवासियों का राष्ट्रप्रेम

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के अभूतपूर्व उत्साह का भी उल्लेख किया। अभियान के अंतर्गत 8 करोड़ से अधिक देशवासियों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रध्वज के प्रति

देशवासियों के सम्मान, गौरव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जन-जन का अभियान बन चुका है। ऐसे अभियान राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के साथ प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका और कर्तव्यों का स्मरण कराते हैं।

पीएम स्वनिधि से मातृशक्ति को मिल रही आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की भी चर्चा की। रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं को योजना के माध्यम से अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं और देशभर में करीब 35 लाख महिलाएं इससे जुड़कर अपने छोटे व्यवसायों को नई गति दे रही हैं। आर्थिक रूप से सशक्त महिला न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज और देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर नए

अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है। स्वच्छता में स्थायी परिवर्तन तभी संभव है, जब यह केवल सरकारी अभियान न रहकर प्रत्येक नागरिक की आदत और जिम्मेदारी बने। उन्होंने कहा कि जब किसी गांव, शहर अथवा क्षेत्र के लोग स्वयं अपने परिवेश को स्वच्छ रखने का संकल्प लेते हैं, तो उसका प्रभाव केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उस स्थान की पहचान और वहां के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक बदलाव आता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपने घर, मोहल्ले, गांव, शहर और आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

दूरस्थ वनग्राम छिंदनार में लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बदलते बस्तर की नई तस्वीर रोज सामने आ रही है। दंतेवाड़ा के सुदूर वनांचल छिंदनार में भी रविवार को एक नया नजारा देखने को मिला। पूरे देश के साथ वहां के लोगों ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण सुना। छिंदनारवासियों के लिए यह पहला मौका था, जब पूरा गांव प्रधानमंत्री को सुनने के लिए जुटा था। प्रधानमंत्री को रेडियो पर सुनने को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह था। उन्होंने बेहद तल्लीनता से प्रधानमंत्री की बातें सुनीं।

छिंदनार में रविवार को बिलकुल अलग तरह का माहौल था। प्रधानमंत्री की 'मन की बात' को लेकर लोग खासे उत्साहित थे। गांव के कई लोगों ने आज पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सुना। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, बस्तर के सांसद महेश कश्यप और दंतेवाड़ा के विधायक चैतराम अटामी ने भी ग्रामीणों के साथ 'मन की बात' का प्रसारण सुना। कुछ महीनों पहले तक रोज धमाकों की आवाज के बीच दहशत में जीने वाले छिंदनार के लोग आज चैन से रेडियो सुन रहे थे।

'मन की बात' सुनने के बाद ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश को एक सूत्र में बांधता है। इसके माध्यम से वे देश के विभिन्न भागों में बदलाव लाने वाले सकारात्मक कार्यों और नवाचारों को पूरे देश के सामने रखते हैं। इससे अन्य लोग भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित होते हैं। प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम समाज और देश के विकास के लिए जनभागीदारी की भावना को बढ़ाता है।

यह कार्यक्रम नागरिकों की नई सोच, नई पहलों, अनूठी कोशिशों और नवाचारों से पूरे देश को वाकिफ कराता है और उसे पहचान दिलाता है। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से लोगों को छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की संस्कृति, विरासत और सकारात्मक कार्यों की जानकारी मिलती है।

छिंदनार में 'मन की बात' के लिए लोगों का जुटना बस्तर में तेजी से आ रहे बदलावों की झलक मात्र है। पूरे बस्तर के चहुंमुखी विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के साथ ही सड़कों, मोबाइल कनेक्टीविटी, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य बुनियादी जरूरतों की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। सरकार बस्तर के दूरस्थ और दुर्गम गांवों तक पहुंचकर नक्सलवाद के कारण दशकों तक ठप्प पड़े विकास कार्यों, बुनियादी जरूरतों और नागरिक सुविधाओं को दुरूस्त करने के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम कर रही है।

अंतरिक्ष में बेटियों की उड़ान, छत्तीसगढ़ की महिमा भी शामिल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज भारत की बेटियां अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उनकी आकांक्षाओं की उड़ान अब धरती से अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' में मिशन शक्ति सैट जैसे प्रेरक प्रयास का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से भारत सहित विभिन्न देशों की हजारों छात्राओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी को समझने, सीखने और नवाचार से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का विषय है कि प्रदेश की महिमा राजपूत भी इस महत्वपूर्ण मुहिम का हिस्सा बनी हैं। उन्होंने महिमा राजपूत को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उनकी उपलब्धियां प्रदेश की दूसरी बेटियों को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

'मन की बात' में देश की विकास यात्रा के विविध आयामों पर प्रेरक संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शासकीय आवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देश की विविध उपलब्धियों, सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनभागीदारी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से संवाद किया। कार्यक्रम में इतिहास को डिजिटल माध्यमों से संरक्षित करने के अभिनव प्रयासों से लेकर युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वच्छता, स्थानीय उद्यमिता, कृषि में वैज्ञानिक नवाचार और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने जैसे विषय प्रमुखता से सामने आए।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने इतिहास और देश की समृद्ध विरासत को आधुनिक डिजिटल माध्यमों के जरिए सहेजने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे प्रयासों को आने वाली पीढ़ियों को अपने अतीत, गौरव और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान और हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। इतिहास, लोक परंपराओं, कला और सांस्कृतिक धरोहरों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। इससे हमारी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगी।

प्रधानमंत्री ने 'नशा मुक्त युवा,

विकसित भारत' अभियान के तहत ड्रग फ्री इंडिया के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया। युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उनकी ऊर्जा को रचनात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगाने पर विशेष जोर दिया गया।

'मन की बात' में छोटे रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली पीएम स्वनिधि योजना का भी उल्लेख किया गया। इस योजना के माध्यम से छोटे उद्यमियों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की निरंतरता पर भी चर्चा की और स्वच्छता को केवल किसी अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत और सामाजिक जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुई श्री अमरनाथ जी की पावन यात्रा का उल्लेख करते हुए देश की आध्यात्मिक एवं धार्मिक यात्रा परंपरा की व्यापकता को रेखांकित किया। भारत में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

प्रधानमंत्री ने किसानों की आय और कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कृषि में नई तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों का उपयोग किसानों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाने में सहायक है।

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए 'Vocal for Local' के मंत्र को भी दोहराया। स्थानीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने से कारीगरों, शिल्पकारों, छोटे उद्यमियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम देश के अलग-अलग क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाने का प्रभावी माध्यम है। मंत्री श्री अग्रवाल ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संबोधन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मन की बात' देश के करोड़ों नागरिकों को एक-दूसरे से जोड़ने और देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे रचनात्मक प्रयासों को साझा करने का सशक्त माध्यम है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'टॉक्सिक' के बाद कियारा आडवाणी की चमकी किस्मत

10 साल पुरानी फिल्म के सीक्वल में आ सकती हैं नजर

इन दिनों कियारा आडवाणी अपनी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। यश के साथ इस फिल्म में उनके किरदार और बोल्ड अंदाज ने खूब ध्यान खींचा है। इसी बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

इस फिल्म के सीक्वल में आ सकती हैं कियारा

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी फिल्मों के सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों का दौर चल रहा है। इसी कड़ी में अब साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'की एंड का' का नाम भी जुड़ गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स करीब 10 साल बाद 'की एंड का 2' बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि फिल्म की कहानी पिछली फिल्म की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी। इसके बजाय 'की' और 'का' नाम के किरदारों को रखते हुए एक बिल्कुल नई कहानी दिखाई जाएगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में 'की' के किरदार के लिए कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है। कियारा ने भी इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है। वहीं, फिल्म में 'का' का किरदार निभाने वाले एक्टर की तलाश अभी जारी है। मेकर्स कियारा के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए एक सही अभिनेता की तलाश कर रहे हैं।

करीना कपूर और अर्जुन कपूर थे पहली फिल्म में

बता दें कि 'की एंड का' साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म में करीना कपूर और अर्जुन कपूर लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म की कहानी काफी अलग थी, जिसमें एक शादीशुदा कपल के जरिए पुरुष और महिला की पारंपरिक भूमिकाओं को उलटकर दिखाया गया था। फिल्म का निर्देशन आर. बाल्की ने किया था। फिल्म में अर्जुन कपूर ने एक ऐसे पति का किरदार निभाया था, जो घर संभालता है, जबकि करीना कपूर का किरदार नौकरी और करियर पर ध्यान देता है।

इस साल के अंत में शुरू हो सकती है शूटिंग

फिलहाल 'की एंड का 2' को लेकर आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मेकर्स फिल्म की कास्टिंग और प्री-प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो सकती है।

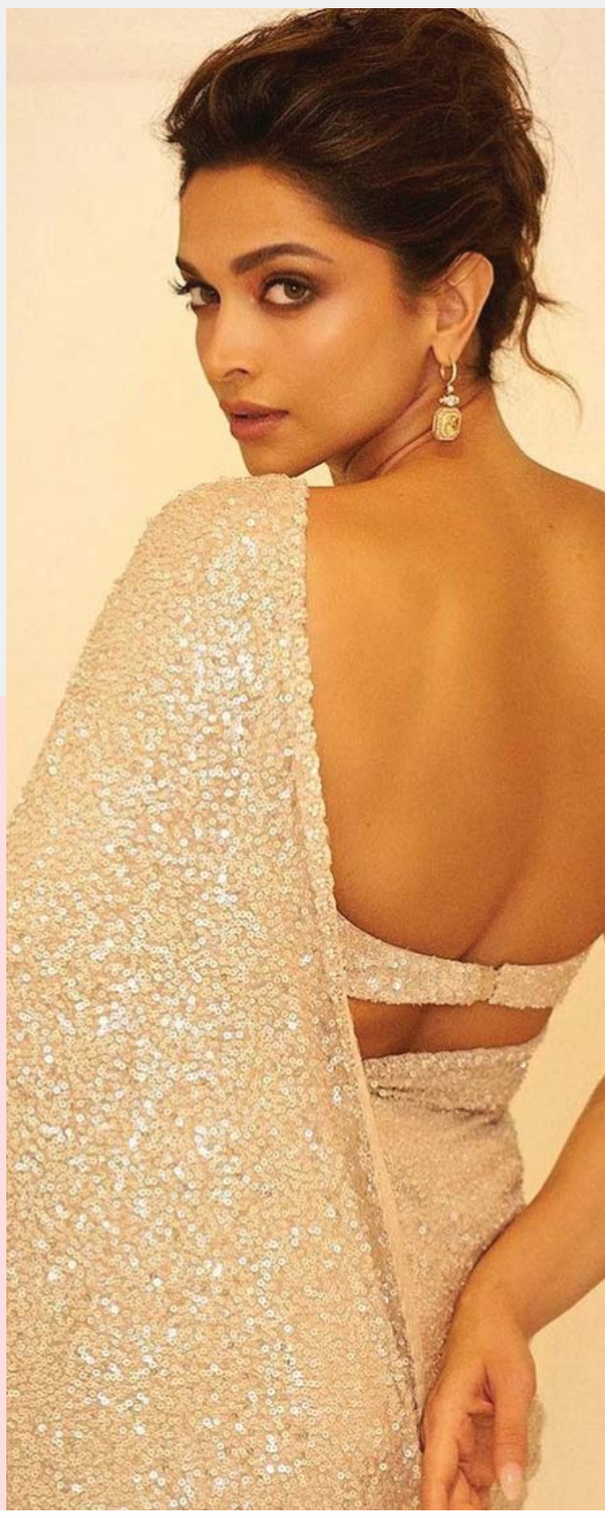

ऑस्कर ने शेयर किया दीपिका पादुकोण की इस फिल्म का खास सीन, यूजर ने किए मजेदार कमेंट

'द एकेडमी' ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर बॉलीवुड फिल्म का एक खास सीन शेयर किया है। वीडियो में फिल्म के एक संवाद को हाइलाइट किया गया है। इस पर यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

ऑस्कर अवॉर्ड देने वाली संस्था 'द एकेडमी' अक्सर बॉलीवुड फिल्मों के कुछ खास सीन अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर करती है। हाल ही में संस्था ने दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर की अदाकारी वाली फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का एक अहम सीन अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। वीडियो के साथ एक बेहतरीन कैप्शन भी लिखा गया है।

संस्था ने जो क्लिप शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक सनसेट पॉइंट पर बैठे हैं। रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण से कहते हैं 'और अगर हमें बाद में पता चला कि वो लाइट और डांस शो बहुत अच्छा था तो?' इस पर दीपिका कहती हैं 'वो तो होगा ही धांसू। पर अगर हम चले गए तो ये सॉलिड सनसेट मिस हो जाएगा। जितना भी कोशिश कर लो बनी, जिंदगी में कुछ ना कुछ तो छूटेगा ही। तो जहां हैं वहीं का मजा लेते हैं।'

वीडियो शेयर करते हुए एकेडमी ने लिखा 'नैना की तरफ से आपको याद दिला दें कि जहां हैं, उसका मजा लें। फिल्म 'ये जवानी है दीवानी'। इसके निर्देशक अयान मुखर्जी हैं। लेखक हुसैन दलाल और अयान मुखर्जी हैं। इसमें रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर, कल्कि कोचलिन, कुणाल रॉय कपूर और फारूक शेख हैं।'

वीडियो क्लिप पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'हम सबकी तरह द एकेडमी भी दीपिका से प्यार करती है।' दूसरे यूजर ने लिखा 'यह फिल्म हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी।'

तीसरे यूजर ने लिखा 'हम सिर्फ नैना को पसंद करते हैं, उसका ही नाम लेने के लिए धन्यवाद। अदिति के साथ वह इस फिल्म की असली जान है।

'ये जवानी है दीवानी' का कलेक्शन

बता दें कि फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' 31 मई 2013 को रिलीज हुई थी। इसका बजट 45 करोड़ रुपये था। बॉक्स ऑफिस पर इसने 326 करोड़ रुपये कमाए थे। दोबारा रिलीज होने पर इसने 26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म की कहानी दोस्ती, प्यार, सपनों और जिंदगी के सफर पर आधारित है।

लोकेश कनगराज की 'डीसी' 4 सितंबर से ओटीटी पर आ सकती है अमेजन प्राइम और सन एनएक्सटी पर संभावित प्रसारण

निर्देशक अरुण मथेश्वरन के निर्देशन में बनी अभिनेता लोकेश कनगराज की फिल्म 'डीसी' ने वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। फिल्म में लोकेश कनगराज ने 'देवदास' की मुख्य भूमिका निभाई है। उनके साथ वामिका गब्बी और संजना कृष्णमूर्ति भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की चर्चित कृति 'देवदास' से प्रेरित है। हालांकि, फिल्म में पारंपरिक प्रेम कहानी को अपराध, बदला, हिंसा और संघर्ष से जोड़ते हुए एक अलग अंदाज में पेश किया गया है। कहानी में देवदास का किरदार प्रेम और धोखे के बीच एक अपराधी की दुनिया में फंसता नजर आता है।

'डीसी' को 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म को इसकी अलग कहानी, दमदार एक्शन दृश्यों और अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत के लिए दर्शकों से अच्छी

प्रतिक्रिया मिली। फिल्म में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की कालजयी कहानी को आधुनिक अपराध की दुनिया की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में देवदास का किरदार प्रेम, विश्वासघात और खतरे के बीच संघर्ष करता है। यही वजह है कि कहानी को पारंपरिक 'देवदास' से अलग और आधुनिक रूपांतरण के तौर पर देखा जा रहा है। सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद अब फिल्म के डिजिटल प्रसारण को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खबरों के मुताबिक, 'डीसी' 4 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो और सन एनएक्सटी पर प्रसारित हो सकती है। फिल्म के तमिल और तेलुगु संस्करण भी ओटीटी पर उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, 4 सितंबर की तारीख की आधिकारिक पुष्टि अभी फिल्म के निर्माताओं या संबंधित डिजिटल मंचों की ओर से नहीं की गई है। इसलिए दर्शकों को फिलहाल इसे संभावित ओटीटी रिलीज तारीख के तौर पर ही देखना चाहिए। 'डीसी' लोकेश कनगराज के करियर के लिहाज से भी महत्वपूर्ण फिल्म है। अब तक एक्शन फिल्मों के निर्देशन के लिए पहचाने जाने वाले लोकेश इस फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं।

फिल्म की व्यावसायिक सफलता ने उनके इस बदलाव को मजबूती दी है। वहीं, निर्देशक अरुण मथेश्वरन ने भी अपनी विशिष्ट और तीव्र कहानी कहने की शैली को फिल्म के माध्यम से आगे बढ़ाया है।

सामंथा रुथ प्रभु के बच्चे के नाम पर फैन ने दिया अजीब नाम का सुझाव

सामंथा की हालिया पोस्ट पर एक फैन ने उनके होने वाले बच्चे के नाम को लेकर एक मजेदार सुझाव दिया। फैन ने सामंथा और राज के नाम को मिलाकर बच्चे के नाम सुझाए। जानिए इसपर एक्ट्रेस ने क्या रिएक्शन दिया।

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं। इसपर फैन का एक कमेंट काफी चर्चा में आ गया है।

फैन ने सुझाए ये नाम

सामंथा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'लड़की के लिए समायरा या लड़के के लिए समराज कैसा रहेगा? सम और राज का परफेक्ट मिक्स! अपना ख्याल रखिए सामंथा गरु।' फैन के इस सुझाव पर सामंथा ने भी मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने 'समराज' नाम को लेकर लिखा, 'समराज... तुम्हें नहीं लगता कि यह नाम थोड़ा ज्यादा ही खुद को लेकर है?' (SAMRAJ. A tad full of ourselves, dont you think?) इसके साथ उन्होंने हंसने वाला इमोजी भी लगाया। सामंथा का मजेदार जवाब सोशल मीडिया पर फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने की खुलकर बात

सामंथा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' यानी AMA सेशन किया था। इस दौरान उन्होंने फैंस के साथ अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़ी कई बातें शेयर कीं। उन्होंने दूसरी होने वाली और नई मांओं से पूछा कि वे कैसी हैं। इसके बाद अपनी प्रेग्नेंसी की तैयारियों के बारे में बात करते हुए सामंथा ने लिखा, 'बच्चे से जुड़ी सारी चीजें खरीद ली हैं। अब उन्हीं सारी चीजों को देखकर डर लग रहा है। अभी तक तो लैपटॉप स्टैंड ही है।'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरु दिसंबर में अपने पहले बच्चे का स्वागत कर सकते हैं। हालांकि, कपल की तरफ से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है वीगन पिज्जा, जानिए इसे बनाने की रेसिपी

पिज्जा एक ऐसा व्यंजन है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद है। अगर आप वीगन हैं और सोचते हैं कि घर पर वीगन पिज्जा बनाना मुश्किल है तो ऐसा नहीं है। इस लेख में हम आपको एक आसान और झटपट बनने वाले वीगन पिज्जा की रेसिपी बताएंगे, जिसे आप कुछ ही मिनटों में तैयार कर सकते हैं। इस रेसिपी को अपनाकर आप अपने परिवार और दोस्तों को खुश कर सकते हैं।

पिज्जा बेस बनाने का तरीका

सबसे पहले पिज्जा बेस तैयार करें। इसके लिए आपको मैदा, पानी, नमक और थोड़ा-सा तेल चाहिए।

एक बड़े कटोरे में मैदा, नमक और थोड़ा-सा तेल मिलाएं। फिर इसमें धीरे-धीरे पानी डालें और गूंथ लें, जब तक कि आटा नरम न हो जाए।

अब इस आटे को 10-15 मिनट के लिए ढककर रखें, ताकि यह थोड़ा फूल जाए। इसके बाद इसे बेलकर गोल आकार दे दें, जिससे आपका पिज्जा बेस तैयार हो जाएगा।

पिज्जा सॉस कैसे बनाएं?

पिज्जा सॉस के लिए आपको टमाटर, प्याज, लहसुन, नमक और थोड़ी-सी अजवायन चाहिए। सबसे पहले टमाटर और प्याज को बारीक काट लें।

अब एक पैन में थोड़ा-सा तेल गर्म करें और उसमें लहसुन भूनें। फिर इसमें टमाटर और प्याज डालकर पकाएं, जब तक कि वे नरम न हो जाएं।

इसके बाद इसमें नमक और अजवायन मिलाएं और 5-7 मिनट तक पकाएं, ताकि सॉस गाढ़ा हो जाए। आपका पिज्जा सॉस तैयार हो जाएगा।

सब्जियों को कैसे तैयार करें?

पिज्जा के लिए सब्जियां चुनते समय अपनी पसंद के अनुसार ही सब्जियों का चयन करें। आप शिमला मिर्च, प्याज, टमाटर, मशरूम और जैतून का उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले सभी सब्जियों को बारीक काट लें, ताकि पिज्जा पर समान रूप से फैल सकें।

अगर आप चाहें तो सब्जियों को थोड़ा भून भी सकते हैं, ताकि उनका स्वाद बढ़ जाए। इसके लिए एक पैन में थोड़ा-सा तेल गर्म करें और उसमें सभी सब्जियों को मिलाकर कुछ मिनट तक पकाएं।

पिज्जा को बेक करें

अब बारी आती है पिज्जा को बेक करने की। इसके लिए ओवन को 220 डिग्री सेल्सियस पर पहले से गर्म करें।

इसके बाद पहले पिज्जा बेस पर थोड़ा-सा पिज्जा सॉस फैलाएं और फिर ऊपर से कटी हुई सब्जियां डालें। अब तैयार पिज्जा को पहले से गर्म किए ओवन में रखें और लगभग 15-20 मिनट तक बेक करें, जब तक कि वह सुनहरा न हो जाए।

परोसने से पहले इस पर चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो का छिड़काव करना न भूलें।

क्या अरबाज पटेल ने निक्की तंबोली पर किया चीटिंग का इशारा?

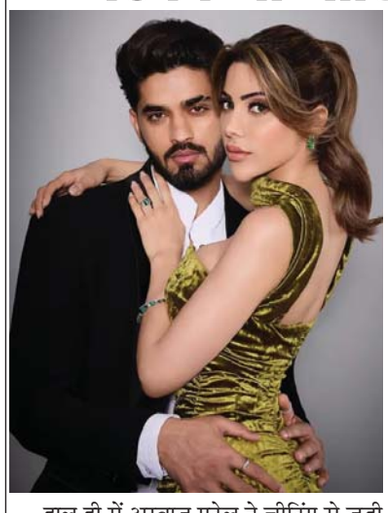

हाल ही में अरबाज पटेल ने चीटिंग से जुड़ी एक स्टोरी शेयर की थी। इसके बाद निक्की ने भी एक स्टोरी शेयर कर उनको जवाब दिया। अब उनका रिश्ता एक बार फिर से चर्चाओं में आ गया है। जानिए क्या है पूरा मामला।

अरबाज पटेल ने सोशल मीडिया पर बेवफाई को लेकर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि अपने पार्टनर को धोखा देकर फिर घर आना, उसकी आंखों में देखकर उससे प्यार करने की बात कहना एक अलग ही तरह की बेइज्जती है।

अरबाज ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे निक्की तंबोली से जोड़ना शुरू कर दिया।

अरबाज की पोस्ट के बाद निक्की ने भी सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने सीधे तौर पर अरबाज के आरोपों का जवाब नहीं दिया, लेकिन उनकी पोस्ट को लोग अरबाज के मैसेज से जोड़कर देख रहे हैं।

निक्की ने लिखा कि अफेयर सिर्फ इसलिए नहीं होते कि कोई नया इंसान बहुत आकर्षक है। कई बार ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पुराना रिश्ता अपने वादों और सम्मान को निभाना बंद कर देता है। निक्की की इस पोस्ट के बाद फैंस के बीच चर्चा और बढ़ गई है कि आखिर दोनों के बीच क्या हुआ है।

फिलहाल दोनों ने अपने रिश्ते की मौजूदा स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है और सोशल मीडिया पर इन क्रिप्टिक पोस्ट के बाद फैंस लगातार दोनों के रिश्ते को लेकर कयास लगा रहे हैं।

'बिग बॉस मराठी 5' में शुरू हुई थी कहानी

निक्की तंबोली और अरबाज पटेल की नजदीकियां 'बिग बॉस मराठी 5' के दौरान देखने को मिली थीं। शो में दोनों की बॉन्डिंग ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। शो खत्म होने के बाद भी दोनों ने अपने रिश्ते को जारी रखा। इसके बाद दोनों साथ में 'द 50' में भी नजर आए। इस दौरान भी उनका रिश्ता काफी मजबूत दिखाई देता था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो निक्की तंबोली आखिरी बार 'बैटलग्राउंड सीजन 2' में मेंटर के तौर पर नजर आई थीं।

खास-खबर

समान नागरिक संहिता को लेकर मुस्लिम समाज की बैठक 01 सितंबर को

रायपुर। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और इसके लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उक्त समिति को सुझाव देने के लिए रायपुर मुस्लिम समाज की ओर से एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया है। यह जानकारी छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड (कैबिनेट मंत्री दर्जा) के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने दी है। मुस्लिम समाज की यह बैठक 01 सितंबर 2026, मंगलवार को स्थान- गुरु घासीदास ऑडिटोरियम, कार्यालय छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड के सामने, कलेक्ट्रेट चौक, रायपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा दिए गए सुझावों को एकत्रित किया जाएगा। इसके लिए रायपुर की समस्त मस्जिदों में जुमा को ऐलान के माध्यम से सूचना दी गई है। आयोजकों ने अपील की है कि ष्ट्ट के संबंध में सुझाव लिखित में अध्यक्ष, समान नागरिक संहिता समिति, छत्तीसगढ़ के नाम से संबोधित करते हुए दो प्रतियों में प्रस्तुत करें।

रंग-तरंग में सजेगा छत्तीसगढ़ का लोक-संगीत, संस्कृति और आधुनिक सुरों का संगम

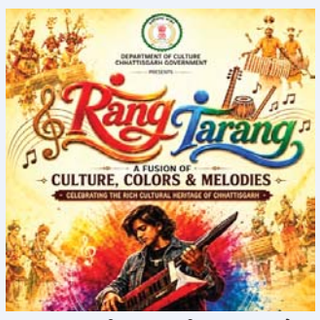

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और आधुनिक सुरों के अनूठे संगम को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'रंग तरंग' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक आयोजन 1, 2 एवं 3 सितंबर 2026 को प्रतिदिन शाम 7 बजे से रायपुर के मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस में आयोजित होगा। 'रंग तरंग' के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को नए और आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में पारंपरिक लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियों के साथ संगीत की विभिन्न विधाओं का संगम देखने-सुनने को मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें समकालीन संगीत के साथ जोड़कर व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है। 'रंग तरंग' को संस्कृति, रंगों और सुरों का फ्यूजन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आयोजन में छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं से जुड़े वाद्ययंत्रों और कलाकारों की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पारंपरिक वाद्यों की धुनों के साथ आधुनिक संगीत का मेल दर्शकों को सांस्कृतिक विरासत का नया अनुभव प्रदान करेगा।

साइबर जागृति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने दुर्ग पुलिस की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

35-40 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को कंटेंट बनाने किया प्रेरित

दुर्ग। साइबर अपराधों के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने और 'साइबर जागृति अभियान' को जन-जन तक पहुंचाने के लिए दुर्ग पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स को अभियान से जोड़ने की पहल की है। इसी क्रम में साइबर सेल, दुर्ग द्वारा जिले के करीब 35 से 40 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल इन्फ्लुएंसर्स ने साइबर जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान में सक्रिय सहभागिता की इच्छा जताई।

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक साइबर अपराधों की रोकथाम, नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और समाज के प्रत्येक वर्ग को अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से 'साइबर जागृति अभियान' संचालित किया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का उपयोग करते हुए इन्फ्लुएंसर्स को जागरूकता अभियान से जोड़ने के लिए यह बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने साइबर क्राइम, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया की सुरक्षा और साइबर अपराध होने पर पुलिस को सूचना देने की प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे। पुलिस अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया आज कम समय में बड़ी संख्या में लोगों तक सूचना पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे में इन्फ्लुएंसर्स अपनी रचनात्मकता और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सकारात्मक उपयोग कर साइबर सुरक्षा से जुड़े संदेशों को अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचा सकते हैं।

दुर्ग पुलिस ने इन्फ्लुएंसर्स से साइबर जागृति अभियान से संबंधित तथ्यात्मक और उपयोगी फोटो, वीडियो, रील्स एवं अन्य डिजिटल कंटेंट तैयार करने की अपील की। इन कंटेंट के माध्यम से नागरिकों को साइबर ठगी से बचाव, संदिग्ध लिंक और कॉल से सावधानी, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने तथा साइबर अपराध होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के बारे में सरल भाषा में जागरूक किया जाएगा।

बैठक में शामिल इन्फ्लुएंसर्स ने छत्तीसगढ़ पुलिस की साइबर जागरूकता पहल से जुड़कर अपना योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने अभियान के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर साइबर सुरक्षा संबंधी संदेशों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर सहमति जताई।

प्रभावी कंटेंट बनाने वाले क्रिएटर्स होंगे सम्मानित: दुर्ग पुलिस ने बैठक में जानकारी दी कि साइबर जागृति अभियान के दौरान सोशल मीडिया पर साइबर अपराध जागरूकता से संबंधित प्रभावी एवं उपयोगी कंटेंट तैयार कर व्यापक स्तर पर जागरूकता पैदा करने वाले कंटेंट क्रिएटर्स को पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने किया मार्गदर्शन: बैठक का आयोजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं साइबर जागृति अभियान के नोडल अधिकारी मणिशंकर चंद्रा तथा सहायक नोडल अधिकारी सब इंस्पेक्टर डॉ. संकल्प राय द्वारा किया गया।

'मन की बात' नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को देती है राष्ट्रीय पहचानः ललित चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली के हिन्दनगर वार्ड क्रमांक 31 स्थित बूथ क्रमांक 120 में बूथ अध्यक्ष एवं रिसाली मंडल महिला मोर्चा उपाध्यक्ष अर्चना हिरवानी के निवास पर वार्डवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशामुक्त भारत, युवाओं को नशे से दूर रखने, 'हर घर तिरंगा' अभियान, राष्ट्रभक्ति, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और जनभागीदारी सहित देशभर में सकारात्मक बदलाव लाने वाले नागरिकों के प्रयासों का उल्लेख किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम का देशवासियों को इंतजार रहता है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के दूरस्थ क्षेत्रों में बिना किसी प्रचार और स्वार्थ के समाज एवं राष्ट्रहित में कार्य करने वाले लोगों के प्रयासों को सामने लाते हैं। इससे ऐसे लोगों का उत्साह बढ़ता है और उनके कार्य लाखों नागरिकों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

उन्होंने कहा कि देश के गांवों और छोटे क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्थानीय संसाधनों के उपयोग और नवाचार के माध्यम से अनेक लोग बदलाव ला रहे हैं। प्रधानमंत्री 'मन की बात' के माध्यम से इन सामान्य नागरिकों के असाधारण कार्यों को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करते हैं। इससे सकारात्मकता और जनभागीदारी की भावना मजबूत होती है।

चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' के संकल्प को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया है। युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को नशे से दूर रखना परिवार, समाज और राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना होगा।

'हर घर तिरंगा' में दिखा राष्ट्रप्रेम: विधायक ने कहा कि 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति देशवासियों के उत्साह का उल्लेख किया। अभियान के तहत 8 करोड़ से अधिक लोगों ने तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड की, जो राष्ट्रध्वज के प्रति देशवासियों के सम्मान और गौरव को दर्शाता है। चंद्राकर ने मिशन शक्ति सैट जैसे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की बेटियां विज्ञान और तकनीक सहित हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिमा राजपूत का इस महत्वपूर्ण मुहिम का हिस्सा बनना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने महिमा को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की विभिन्न कड़ियों में छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों और विशिष्ट प्रयासों का उल्लेख किया है। बस्तर ओलंपिक से लेकर मल्हार में मिले प्राचीन ताम्रपत्रों और काले हिरण के संरक्षण तक, प्रदेश की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

इस अवसर पर रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, महामंत्री गुड्डू झा, महिला मोर्चा जिला महामंत्री ममता राव, उपाध्यक्ष कमलेश हिरवानी, पार्षद सीमा साहू, बूथ अध्यक्ष अर्चना हिरवानी, 'मन की बात' प्रभारी ओनकेश्वरी मारकंडे सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर छत्तीसगढ़ में मौसम का बदलेगा मिजाज, भारी बारिश की चेतावनी

बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र का असर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से तथा पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तट से लगे क्षेत्र में बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 30 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है।

विशेष रूप से 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। ऐसे में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया, बैकुंठपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में भी मौसम पर विशेष नजर रखने की जरूरत है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में अत्यधिक वर्षा की संभावना को देखते हुए निचले इलाकों, नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। लगातार बारिश की स्थिति में नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा आवागमन प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोरिया में प्रशासन और लोगों को सतर्क रहने की जरूरत: कोरिया जिले में बारिश के दौरान नागरिकों को अनावश्यक रूप से नदी, नाले और जलभराव वाले क्षेत्रों के पास जाने से बचना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे रास्तों, पुल-पुलियों और निचले मार्गों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

प्रशासन की ओर से जारी स्थानीय मौसम चेतावनी एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। मौसम में अचानक बदलाव की स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर रहने और आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रायद्वीपीय भारत में आगामी एक सप्ताह के दौरान वर्षा गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रहने की संभावना है। वहीं बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण पूर्वी एवं मध्य भारत के हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः 3 किलोवाट रूफटॉप से 4 हजार का बिजली बिल हुआ जीरो

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में सुकमा जिले के कुम्हारास निवासी बुद्धिमंत पटारी के परिवार ने एक मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगने के बाद परिवार का हर महीने आने वाला 3,000 से 4,000 रुपये तक का बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य हो गया है। सौर ऊर्जा ने न केवल घर को रोशन किया, बल्कि परिवार को बड़ी आर्थिक राहत भी दी है।

बुद्धिमंत पटारी के परिवार के लिए यह बदलाव किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। पहले हर माह बिजली बिल में खर्च होने वाली हजारों रुपये की राशि अब बचत के रूप में परिवार के काम आ रही है। इस बचत से घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने का अवसर भी मिल रहा है।

सौर ऊर्जा को अपनाना परिवार के लिए इसलिए भी आसान हुआ क्योंकि केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। सरकारी सहायता ने सोलर रूफटॉप सिस्टम की लागत का बोझ कम किया और परिवार को स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

देश में अब सभी आधिकारिक कार्यों के लिए भारतीय मानक समय होगा अनिवार्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश के डिजिटल, प्रशासनिक और व्यावसायिक ढांचे में एक समान समय व्यवस्था लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने 'विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026' को अधिसूचित कर दिया है।

नए नियमों के तहत अब देशभर में कानूनी, प्रशासनिक, व्यावसायिक और अन्य सभी आधिकारिक कार्यों के लिए भारतीय मानक समय (आईएसटी) को एकमात्र स्वीकृत संदर्भ समय बनाया गया है। सरकार ने इन नियमों की अधिसूचना 27 अगस्त 2026 को जारी की थी। हालांकि, सरकारी विभागों, निजी कंपनियों और वित्तीय संस्थानों को अपने डिजिटल तंत्र में आवश्यक बदलाव करने के लिए समय देने के उद्देश्य से नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन के 180 दिन बाद पूरी तरह प्रभावी होंगे। नए प्रावधान लागू होने से पहले करीब छह महीने का बदलाव काल रखा गया है। इस दौरान सरकारी विभाग, निजी क्षेत्र की कंपनियां, बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान अपने कंप्यूटर नेटवर्क, सर्वर और डिजिटल प्रणालियों को भारतीय मानक समय के अनुरूप तैयार कर सकेंगे। भारत में बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, बिजली ग्रिड और कंप्यूटर नेटवर्क जैसी सेवाएं तेजी से डिजिटल हो चुकी हैं। इन सभी व्यवस्थाओं में घटनाओं और लेन-देन का सही समय दर्ज करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में अलग-अलग डिजिटल सर्वरों और विदेशी समय स्रोतों के बीच मामूली अंतर देखने को मिल सकता है। ऐसे अंतर वित्तीय लेन-देन के समय दर्ज करने और विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों के समन्वय में परेशानी पैदा कर सकते हैं। एक समान राष्ट्रीय समय संदर्भ लागू होने से डिजिटल भुगतान और बैंकिंग लेन-देन में सटीक समय-अंकन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे लेन-देन के रिकॉर्ड अधिक विश्वसनीय होंगे और धोखाधड़ी तथा समय से जुड़ी गड़बड़ियों पर नियंत्रण मजबूत हो सकेगा। एक समान समय व्यवस्था का लाभ परिवहन और आधारभूत ढांचे से जुड़ी सेवाओं को भी मिलने की उम्मीद है। अन्य परिवहन प्रणालियों के बीच समय के समन्वय को बेहतर बनाने में इससे मदद मिलेगी।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में ताइक्वांडो एवं योग प्रदर्शन

खेल रैली के साथ विद्यार्थियों ने दिया स्वस्थ, अनुशासित और विजयी जीवन का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में विविध खेल गतिविधियों का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास, शारीरिक स्वास्थ्य तथा टीम भावना को विकसित करना रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने योग एवं ताइक्वांडो का प्रभावशाली प्रदर्शन करने के साथ खेल रैली के माध्यम से खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के महान खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय हॉकी कोच सैयद तनवीर अकील ने मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपने समर्पण, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और अद्भुत खेल प्रतिभा के बल पर भारत को विश्व स्तर पर गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों को भी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण साधन हैं। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, धैर्य, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं।

खेल दिवस के आयोजन में विशेष रूप से राष्ट्रीय कोच सैयद तनवीर अकील, प्राचार्य पुष्पा बड़ा, मुख्याध्यापक कमल नारायण सोनी उपस्थित रहे। मुख्य सूत्रधार सुरेश कुमार खेल शिक्षक रहे।

इस अवसर पर आराध्य उपाध्याय ने खेल शपथ का वाचन कराया। विद्यार्थियों ने खेल भावना, अनुशासन, ईमानदारी तथा खेल के नियमों का पालन करने की शपथ ली। वासु उमरे एवं सस्मित ने खेलों के महत्व और राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत योग एवं ताइक्वांडो प्रदर्शन रहा। श्रद्धा मैडम के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने योग की विभिन्न मुद्राओं एवं आसनों का सामूहिक प्रदर्शन कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। वहीं रुक्मणी मैडम के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों एवं आत्मरक्षा कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, अनुशासन और तालमेल ने उपस्थित दर्शकों को प्रभावित किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में खेल रैली का भी आयोजन किया गया। वरिष्ठ शिक्षक एमके बोरकर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लेते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय आर्य ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, 'हौसले की उड़ान हो, आंखों में अरमान हो, हर खिलाड़ी के दिल में जीत का तूफान हो।' उन्होंने कहा कि खेल का वास्तविक अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, अनुशासन, आत्मविश्वास और अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने की यात्रा है। खेल हमें हार से सीखना और जीत को विनम्रता से स्वीकार करना सिखाते हैं।

विद्यालय के खेल शिक्षक सुरेश कुमार ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले मुख्य अतिथि, प्राचार्य, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समस्त सहयोगी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धा, रुक्मणी, भूमिका, गायत्री, प्रणव सोनी, अवितेश, शिल्पा, ज्योति जायसवाल, मोनिका, मीणा, खत्री, अल्तमश, श्रीकेंद्र सहित विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेना भर्ती रैली 12 एवं 14 अक्टूबर को

मोहला। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के कॉमन एंट्रेंस एग्जाम में सफल उम्मीदवारों के लिए सिपाही फार्मा, सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक एवं अग्निवीर महिला सेना पुलिस पदों की भर्ती रैली इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर में आयोजित की जाएगी। सिपाही फार्मा एवं तकनीकी नर्सिंग सहायक के लिए 12 अक्टूबर 2026 को प्रात: 3 बजे तथा अग्निवीर महिला सेना पुलिस के लिए 14 अक्टूबर 2026 को प्रात: 5 बजे रिपोर्टिंग निर्धारित है। योग्य उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र **Join Indian Army** वेबसाइट एवं ई-मेल पर भेजे जा चुके हैं। उम्मीदवार एडमिट कार्ड, आवश्यक दस्तावेज एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाइल साथ लेकर उपस्थित हों। 0771-2965212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

चांपा में चाकूबाजी की वारदात युवक पर जानलेवा हमला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। चांपा थाना क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है। मामले में एक नाबालिग के शामिल होने की बात भी सामने आई है।28 अगस्त 2026 को चांपा निवासी सूरज कुमार यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके भाई दीपक कुमार यादव पर संजू केंवट और उसके साथी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चांपा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के संबंध में सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संजू केंवट (27 वर्ष), निवासी कंवरपारा, चांपा को पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मुर्गा बनाने की बात पर विवाद, पति ने की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर-रामानुजगंज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के जोकापाठ में मामूली घरेलू विवाद ने खौफ नाक रूप ले लिया। मुर्गा बनाने की बात को लेकर हुए विवाद में एक पति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी पर लकड़ी के डंडे से हमला कर उसकी जान ले ली। पुलिस के मुताबिक, घटना की जानकारी मृतका के पिता सोमारू साय को गांव के लोगों से मिली। सूचना पर वह लालदारा पहुंचे, जहां उनकी बेटी दुखनी बाई घर के अंदर एक कमरे में मृत अवस्था में मिली। उसके सिर और पेट पर चोट के कई निशान पाए गए। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना से पहले आरोपी रमेश कोरवा और उसकी पत्नी दुखनी बाई ने हड़िया शराब पी थी। शाम करीब 4 से 5 बजे रमेश ने पत्नी से मुर्गा बनाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर रमेश ने लकड़ी के डंडे से पत्नी के सिर और पेट पर कई वार किए। महिला की मौत हो गई। मामले में थाना शंकरगढ़ में अपराध क्रमांक 97/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी रमेश कोरवा पिता टिमला को 30 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत, जंगल में मिला शव

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, जजवाल गांव के आसपास पिछले कुछ समय से हाथियों की मौजूदगी बनी हुई है। शनिवार रात एक ग्रामीण किसी काम से जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसका सामना हाथी से हो गया और हाथी ने उस पर हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद जंगल से गुजर रहे अन्य ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल मृतक की पहचान और घटना से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। हाथी के हमले की घटना के बाद जजवाल समेत आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। हाथियों की लगातार मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी कर रही है। वहीं, आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है।

घर के अंदर चल रहा था जुआः 3 लाख कैश समेत 5 लाख का सामान जब्त, 12 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-1 स्थित वार्ड 34 के एक घर में जुआ खेलते 12 लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश और 12 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 5 लाख 16 हजार 930 रुपए बताई गई है।

छावनी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड 34 कैंप-1 स्थित घर में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और एसीसीयू की टीम मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने घर की घेराबंदी कर अचानक छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने जुआ खेलते 12 लोगों को पकड़ लिया।

पुलिस ने मौके से 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद और जुआ खेलने में इस्तेमाल 52 पत्ती ताश जब्त की। इसके अलावा 12 मोबाइल फोन भी पुलिस ने

कब्जे में लिए हैं। जब्त मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। इस तरह जब्त सामान की कुल कीमत करीब 5 लाख 16 हजार 930 रुपए है। जुआ किसी खुले या सार्वजनिक स्थान पर नहीं, बल्कि एक घर के अंदर चल रहा था। पुलिस को इसकी सूचना मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए लोग पैसों के लिए जुआ खेल रहे थे। मौके से 12 लोगों के पास से कुल 3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद मिले। हालांकि, पुलिस ने यह नहीं बताया है कि किस व्यक्ति के पास से कितनी रकम बरामद हुई।

पुलिस ने घर से जब्त किया सामान

3 लाख 16 हजार 930 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश, 12 मोबाइल फोन, कुल जब्ती की कीमत करीब 5 लाख 16 हजार 930 रुपए ।

ढाबा संचालक की हत्या, विवाद के बाद हुई थी चाकूबाजी, सभी आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात नेहरू नगर चौराहे पर लिफ्ट मांगने पर हुए विवाद के बाद युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने शाम तक नाबिलग बालिका व एक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं रात होते होते तीसरे व मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इन तीनों ने जिस युवक की हत्या की वह चिचोला में ढाबा चलाता है और घटना के समय नेहरू नगर चौक पर चिचोला जाने के लिए लिफ्ट मांग रहा था। घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है।

यह पूरी घटना शनिवार रात लगभग 11:30 बजे की है। मृतक की पहचान 26 वर्षीय शिव कुमार सिंह निवासी कैंप-1 के रूप में हुई। रक्षाबंधन के बाद शनिवार की रात को वह अपने एक दोस्त के साथ नेहरू नगर चौक पहुंचा और चिचोला जाने ट्रक वालों से लिफ्ट मांग रहा था।

इस दौरान अग्रसेन चौक की ओर से दो युवक व एक लड़की स्कूटी पर सवार वहां पहुंचे।

शिव कुमार का इनके साथ विवाद हुआ। स्कूटी सवारों के नशे में होने की बात सामने आई। विवाद के बाद स्कूटी सवार युवक ने धारदार चाकू से शिवकुमार पर हमला कर दिया। शिवकुमार के जांघ पर गंभीर चोट आई। उसे पहले हाईटेक व उसके बाद श्रीशंकराचार्य मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

जहां रविवार की सुबह उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सुपेला पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रुआबांधा चाचा चौक निवासी विशाल निषाद उर्फ छाया, रुपेन्द्र निषाद और एक नाबालिग लड़की को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में विशाल निषाद, रूपेन्द्र व शिव कुमार के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर विशाल निषाद ने चाकू से शिव कुमार पर हमला कर दिया। घायल युवक को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हुई। घटना के संबंध में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विवेचना की जा रही है। उक्त कार्रवाई में थाना सुपेला पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस टीम द्वारा घटना की सूचना के बाद पतासाजी एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई प्रारंभ की गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपसी विवाद को हिंसक रूप न दें और विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की हिंसक अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

जंगल में मिला नक्सलियों का हथियार डंप 10 राइफल और 2 किलो विस्फोटक जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले में सुरक्षा बलों का सर्चिंग अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के दौरान जवानों को एक बड़ी सफलता मिली है। अदनार के जंगल में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया पुराना हथियार डंप बरामद किया गया है। यहां से 10 राइफल, बीजीएल शेल, कारतूस और करीब दो किलो विस्फोटक जब्त किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, नारायणपुर पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान अदनार के जंगल में नक्सलियों द्वारा वर्षों पहले छिपाकर रखे गए हथियार और अन्य सामग्री बरामद हुई।

बताया गया कि नक्सलियों ने सुरक्षा बलों से मुठभेड़ और अन्य गतिविधियों के लिए अलग-अलग स्थानों पर हथियार और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी थी। नक्सली गतिविधियों में कमी आने और कई नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने के बावजूद सुरक्षा बलों का सर्चिंग अभियान लगातार जारी है।

सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान नक्सलियों द्वारा पहले से डंप कर छिपाई गई हथियार और विस्फोटक सामग्री लगातार बरामद की जा रही है।

रायपुर में प्राइवेट कर्मचारी से लूटः पीड़ित की शिकायत पर पांच, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में देर रात एक प्राइवेट कर्मचारी के साथ मारपीट और लूट का मामला सामने आया है। कुछ युवकों ने रास्ता रोककर चाकू और डंडे से उस पर हमला किया। इसके बाद जान से मारने की धमकी दी और उसके वाहन में तोड़फोड़ कर दी। आरोपी युवक का मोबाइल और नगदी लूटकर मौके से फरार हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 अपचारी बालक भी शामिल हैं। पुलिस उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, बिलासपुर जिले के ग्राम चिल्हाती निवासी रोहित कुमार यादव (40) 29 अगस्त की रात अपने वाहन से धमतरी जा रहे थे। रात करीब 1 बजे ग्राम कुर्रा, गोबरा नवापारा के पास कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने रोहित से गाली-गलौज की और चाकू, डंडे और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। उन्होंने रोहित को जान से मारने की धमकी भी दी।

इसके बाद आरोपियों ने वाहन में तोड़फोड़ कर करीब 16 हजार रुपए का नुकसान कर दिया। वे रोहित का मोबाइल और नगदी रकम भी लूटकर वहां से फरार हो गए। घटना के बाद रोहित ने गोबरा नवापारा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। उपलब्ध साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने सागर साहू (22), चंदन यादव (19), टीकम साहू (19), मुकेश नगराची (19) और घनश्याम निषाद (19) को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल 4 नाबालिगों को भी नियमानुसार किशोर न्याय बोर्ड, माना के समक्ष पेश किया जा रहा है।

रायपुर में मामूली विवाद पर युवक की हत्या, आरोपियों ने दौड़ाया, स्कूटी नाली में गिरने पर चाकू से किए वार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में देर रात मामूली विवाद के बाद 22 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। अश्वनी नगर स्थित गौसिया मस्जिद के पास दो अज्ञात हमलावरों ने युवक पर धारदार हथियार से कई वार किए और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई।

डंगनिया निवासी अहमद खान (22) की सोमवार रात करीब साढ़े 12 बजे अश्वनी नगर की गली में किसी बात को लेकर दो युवकों से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर अहमद स्कूटी से वहां से भागने लगा। इसी दौरान उसकी स्कूटी सड़क किनारे नाली में गिर गई

और वह सड़क पर जा गिरा।

पीछा कर रहे दोनों हमलावरों ने अहमद को जमीन पर गिरा देख उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोपियों ने उस पर लगातार कई वार किए। गंभीर रूप से घायल अहमद सड़क पर खून से लथपथ पड़ा रहा। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अहमद को इलाज के लिए एम्स अस्पताल ले गई। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ की।

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। हमलावरों की पहचान के लिए पुलिस फुटेज के साथ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

हत्या की वजह अब तक साफ नहीं

फिलहाल हत्या की असली वजह सामने नहीं आई है। पुलिस मामूली विवाद समेत अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वहीं, फरार दोनों आरोपियों की तलाश जारी है।

चाकू की नोक पर अफसर की पत्नी से रेपः शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसा, आरोपी को उम्रकैद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी की टीचर पत्नी से चाकू की नोक पर बंधक बनाकर रेप का मामला सामने आया था। इस केस में 5 साल की सुनवाई के बाद फैसला आया है। अपर सत्र न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान की अदालत ने आरोपी बालकृष्ण जांगड़े को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा कोर्ट ने आरोपी पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, आरोपी की पत्नी अंजना जांगड़े को पर्याप्त सबूत नहीं मिलने पर कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया।

पति का दोस्त बताकर घर में घुसा था आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मामला 15 मार्च 2021 का है। आरोपी बालकृष्ण जांगड़े और उसकी पत्नी अंजना जांगड़े मूल रूप से बेमेतरा के रहने वाले हैं और रायपुर के पिरदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते थे। वारदात के समय पीड़िता अपने दो बच्चों के साथ घर पर

अकेली थी। पति सुबह करीब 10 बजे ऑफिस चले गए थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी शादी का कार्ड देने के बहाने घर पहुंचा। उसने खुद को पति का दोस्त बताया। इसके बाद पति का परिचित होने की बात कहकर घर के अंदर घुस गया।

बच्चों के सामने हमला कर बनाया बंधक

पीड़िता ने कोर्ट में दिए बयान में बताया कि आरोपी ने घर में घुसने के बाद उस पर चाकू से हमला किया। इसके बाद उसे बंधक बना लिया। घर में उस समय उसके 12 और 4 साल के दो बच्चे भी मौजूद थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने बच्चों के सामने ही रेप किया। वारदात के दौरान पीड़िता के शरीर पर कई चोटें आई। उसने 12:45 बजे अपने पति को फोन कर घर में 2 लोगों के घुसने और चाकू से हमला करने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पति घर पहुंचा तो पत्नी घायल अवस्था में मिली।

करीब 5 साल बाद आया फैसला

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच कर आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से पीड़िता के बयान समेत अन्य उपलब्ध साक्ष्य अदालत के सामने रखे गए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने बालकृष्ण जांगड़े को दोषी ठहराया।

कोर्ट ने उसे उम्रकैद और 1 लाख 25 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, आरोपी की पत्नी अंजना जांगड़े के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उसे दोषमुक्त कर दिया गया। पूरे मामले में अभियोजन की पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक विजयश्री बिसेन ने की।

शादी से ठीक पहले टूटा रिश्ता, डॉक्टर ने किया सुसाइड

बाथरूम में फंदे से लटका मिला शव, हाथ पर नस काटने के निशान

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा स्थित ईएसआईसी अस्पताल के डॉक्टर डॉ. एल्विन वे (30) ने सुसाइड कर लिया। 29 अगस्त की शाम अस्पताल परिसर स्थित कर्मचारी आवास के बाथरूम में उनका शव नायलॉन की रस्सी के फंदे पर लटका मिला। उनके हाथ पर चोट के निशान भी मिले हैं।

सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस को आशंका है कि डॉ. एल्विन ने पहले सर्जिकल ब्लेड से हाथ की नस काटने की कोशिश की और इसके बाद फांसी लगाई। हालांकि, मौत की वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। शुरुआती जांच में सुसाइड के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि डॉ. एल्विन 11 अगस्त को कोयंबटूर गए थे। वहां दो दिन होटल में रुककर उन्होंने युवती की मां और भाई से मुलाकात की। 12 अगस्त को पालक्काड के एक चर्च में शादी के लिए आवेदन भी दिया था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और रिश्ता टूट गया। इसके बाद कोरबा लौटने पर डॉ. एल्विन गुमसुम रहने लगे थे। पुलिस प्रेम प्रसंग के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है।

डॉ. एल्विन मूल रूप से केरल के पालक्काड के रहने वाले थे। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर से एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। करीब एक साल पहले उनकी पोस्टिंग कोरबा के ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल) अस्पताल में हुई थी। वह अस्पताल परिसर में मिले कर्मचारी आवास में अकेले रहते थे। शनिवार (29 अगस्त) सुबह 9 बजे डॉ. एल्विन की ओपीडी में ड्यूटी थी, लेकिन वे अस्पताल नहीं पहुंचे। स्टाफ ने उन्हें फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। शाम करीब 4 बजे तक संपर्क नहीं होने पर कर्मचारी उनके आवास पहुंचे। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर खिड़की का कांच तोड़कर दरवाजा खोला गया। इसके बाद बाथरूम में उनका शव फंदे पर लटका मिला।

सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को डॉक्टर के हाथ पर चोट के निशान भी मिले हैं। आशंका है कि उन्होंने पहले सर्जिकल ब्लेड से नस काटने की कोशिश की होगी और इसके बाद फांसी लगा ली। हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही साफ होगी।

महासमुंद में गांजा तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महासमुंद। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत महासमुंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बसना थाना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय जांच चौकी पर वाहन जांच के दौरान एक स्कूटी से 6.40 किलो गांजा बरामद किया है। स्कूटी पर सवार 16 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक, निवासी खेरमंडीगढ़ को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस टीम ने स्कूटी की तलाशी ली तो पैरदान के पास रखी प्लास्टिक बोरी बरामद हुई। बोरी की जांच करने पर उसमें 6.40 किलो गांजा मिला। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

खास खबर

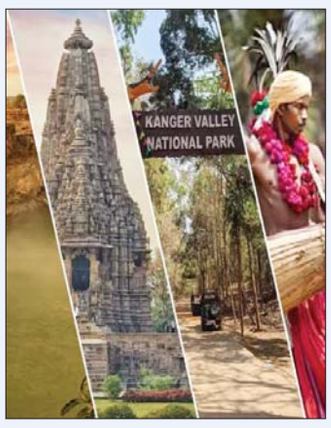

10 श्रेणियों में दिए जाएंगे 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान देने, पर्यटन से जुड़े उद्यमियों, संस्थाओं एवं व्यक्तियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य के पर्यटन स्थलों के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' प्रदान किए जाएंगे। योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले होटल, पंजीकृत टूर ऑपरेटर, जिले, पर्यटन स्टार्टअप, रिसॉर्ट, पर्यटक सूचना केंद्र, होमस्टे, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, इको-टूरिज्म साइट और एडवेंचर टूरिज्म संचालकों को सम्मानित किया जाएगा। कुल 10 श्रेणियों में एक-एक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक विजेता को 11 हजार की पुरस्कार राशि एवं मेमेंटो प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

'विश्व पर्यटन दिवस पुरस्कार-2026' के तहत आतिथ्य, पर्यटन संचालन, जिला पर्यटन प्रबंधन, उद्यमिता, रिसॉर्ट सेवाएं, पर्यटक सहायता, होमस्टे, डिजिटल प्रचार, पर्यावरण संरक्षण और साहसिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार की 10 श्रेणियां हैं–

1. सर्वश्रेष्ठ होटल
2. सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर
3. सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवॉर्ड
4. पर्यटन स्टार्टअप/उद्यमिता पुरस्कार
5. सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट
6. पर्यटक सूचना केंद्र
7. सर्वश्रेष्ठ होमस्टे
8. सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर
9. सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट अवॉर्ड
10. सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म अवॉर्ड

सर्वश्रेष्ठ होटल श्रेणी में राज्य के आतिथ्य क्षेत्र में प्रभावशाली सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले पर्यटन उद्यम को सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह सर्वश्रेष्ठ पंजीकृत टूर ऑपरेटर का चयन आवास, परिवहन, दर्शनीय स्थलों की यात्रा, मनोरंजन और अन्य पर्यटन गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी, इटिनेरेरी एवं प्रचार सामग्री के माध्यम से पर्यटन का प्रचार तथा वेबसाइट और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा। 'सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवॉर्ड' के तहत उस जिले का चयन किया जाएगा, जिसने पर्यटन के व्यापक विकास, संवर्धन, गंतव्य प्रबंधन तथा घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की दिशा में बेहतर कार्य किया हो। पर्यटन स्थलों की स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, डस्टबिन की उपलब्धता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हरित उपाय, प्रकृति आधारित गतिविधियां, कृषि एवं ग्रामीण जीवनशैली, संस्कृति, मत्स्य पालन, पर्यटकों के लिए विशिष्ट अनुभव और रोजगार सृजन को शामिल किया जाएगा।

नारी शक्ति सम्मान समारोह में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान

आत्मनिर्भर नारी शक्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है तो उसके साथ परिवार, समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और आर्थिक स्वावलंबन प्रदान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की हर बेटी को अपने सपने पूरे करने का अवसर मिले और हर महिला आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चिकित्सा, शिक्षा, खेल, साइबर सुरक्षा, पत्रकारिता, कला एवं संस्कृति, कृषि, महिला उद्यमिता, सामाजिक सेवा और महिला सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने नारी शक्ति सम्मान समारोह पर आधारित ब्रोशर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सम्मानित महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन महिलाओं ने अपने परिश्रम, प्रतिभा, साहस और संकल्प से अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं हैं, बल्कि उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं का सम्मान वास्तव में

उस नारी शक्ति का सम्मान है, जो परिवार को संस्कार देती है, समाज को दिशा देती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज खेती-किसानी से लेकर उद्यमिता, शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा और आधुनिक तकनीक तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लक्ष्मी-नारायण, उमा-महेश्वर, सिया-राम और राधा-कृष्ण जैसे संबोधन हमारी उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं, जिसमें नारी को शक्ति, करुणा, सृजन और संस्कार का आधार माना गया है। राज्य सरकार इसी भावना को योजनाओं और नीतियों के माध्यम से धरातल पर उतार रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील जिम्मेदारी मिली है। उनका सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन का अनुभव, कानून की समझ और उच्च शिक्षा इस दायित्व के निर्वहन में उपयोगी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. ममता साहू के नेतृत्व में राज्य महिला आयोग प्रदेश की माताओं-बहनों को न्याय दिलाने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और पीड़ित महिलाओं तक कानूनी सहायता पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की भूमिका केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आयोग गांवों, कस्बों, जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचे तथा महिलाओं को उनके कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करे। महिलाओं को यह भरोसा होना चाहिए कि किसी भी कठिन परिस्थिति में शासन और उसकी संस्थाएं संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को नई पहचान, सम्मान और आगे बढ़ने के अभूतपूर्व अवसर मिले हैं। 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों के प्रति सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आसीन होना पूरे देश की नारी

शक्ति के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच है कि विकसित भारत की यात्रा महिलाओं के नेतृत्व और उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना पूरी नहीं हो सकती। छत्तीसगढ़ सरकार भी इसी संकल्प के साथ प्रदेश की मातृशक्ति को विकास की मुख्यधारा में और अधिक मजबूती से जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण, बैठक और आर्थिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में 481 महतारी सदनों का निर्माण किया जा रहा है। रेडी-टू-ईट कार्यक्रम का संचालन भी महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। महिलाओं के नाम जमीन और संपत्ति होने से उनका आर्थिक आधार मजबूत होता है तथा परिवार में उनकी भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है। इसके लिए समाज की सोच और व्यवस्था दोनों में सकारात्मक परिवर्तन जरूरी है। हमारी बेटियों को अच्छी शिक्षा मिले, युवतियों को रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिलें, महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान मिले तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित न्याय मिले - सरकार इसी समग्र दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब एक बेटी पढ़ती है तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है और जब एक महिला आत्मनिर्भर बनती है तो पूरा परिवार आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि महिला आयोग पीड़ित और जरूरतमंद महिलाओं के लिए आशा, विश्वास और न्याय का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में आयोग महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण और उनके उत्थान के लिए प्रभावी कार्य करेगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रत्येक माता-पिता का सपना होता है कि उनके बच्चे जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करें। आज यह सुखद अवसर है कि महिला आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू के पिता श्री कृपाराम साहू भी अपनी पुत्री को महत्वपूर्ण दायित्व संभालते हुए देख रहे हैं। उन्होंने डॉ. ममता साहू को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में महिला आयोग प्रदेश की माताओं-बहनों के सशक्तिकरण और पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

'महतारी गौरव वर्ष' मातृशक्ति के योगदान को समर्पित

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह वर्ष छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति के

योगदान को सम्मान देने के साथ उनके लिए नए अवसरों के सृजन का भी वर्ष है। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा से लेकर महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तक सरकार व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 'मेरी बेटी, मेरा अभिमान' पहल के तहत प्रदेश में 6 हजार 671 बालिका शौचालयों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, ताकि बेटियों को विद्यालयों में बेहतर और सुविधाजनक वातावरण मिल सके।

महतारी वंदन योजना ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ की बहनों का आत्मविश्वास

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन उनके सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की 31 किस्तें महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता को मजबूत करने का माध्यम बनी है। गांवों की महिलाएं इस राशि का उपयोग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य तथा स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों में कर रही हैं।

13.85 लाख से अधिक लखपति दीदियां बनीं आत्मनिर्भरता की पहचान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं सिलाई-कढ़ाई, कृषि एवं वनोपज आधारित गतिविधियों, लघु उद्योग और स्वरोजगार के साथ महिलाएं अब ड्रोन संचालन जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। यह लाखों परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक आर्थिक परिवर्तन का प्रमाण है। सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक महिलाओं को कौशल, पूंजी, बाजार और तकनीक से जोड़कर उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

खेलेगा भारत - जीतेगा भारत थीम पर एक घंटा खेल के मैदान में का शुभारंभ

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 'संडे ऑन साइकिल' की धूम, दिया फिटनेस का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय खेल गतिविधियों के अंतर्गत 'एक घंटा खेल के मैदान में' एवं 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की थीम पर साइक्लिंग गतिविधि '(संडे ऑन साइकिल)' का आयोजन किया गया।

साइक्लिंग गतिविधि का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल जी ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से साइक्लिंग रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ साइक्लिंग यात्रा प्रारंभ की।

लगभग 5 किलोमीटर की साइक्लिंग यात्रा प्रशासनिक भवन से प्रारंभ होकर इंजीनियरिंग कॉलेज, संगीत वाटिका, एग्रीकल्चर म्यूजियम, कॉलेज कैंपस एवं आवासीय परिसर होते हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई। सभी प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य की इस गतिविधि में शामिल होने के बाद प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि वे स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं।

साइक्लिंग गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने फिटनेस, स्वास्थ्य, अनुशासन एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा, डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. जी.पी. आयाम, डॉ. एच.के. सिंह, सूबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा, डॉ. राम कुमार ठाकुर सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण तथा एनएसएस स्वयंसेवक अमर सोनकर, मुकेश एवं सनत साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

नोनी सुरक्षा योजना से सुरक्षित हुआ बेटियों का भविष्य

आर्थिक सुरक्षा से कम हुई चिंता, पढ़ाई और विवाह जैसे पड़ावों के लिए संबल बनी योजना

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला। विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा की श्रीमती आकांक्षा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। उनकी इच्छा थी कि बेटी को अच्छी शिक्षा मिले और आगे चलकर उसका जीवन सुरक्षित, आत्मनिर्भर और खुशहाल हो। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच बेटी के भविष्य के लिए बेहतर प्रबंध करना उनके लिए चुनौती थी।

इसी चिंता को कम करने और बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने की दिशा में आकांक्षा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से अपनी बेटी का 'नोनी सुरक्षा योजना' के तहत पंजीयन कराया। आकांक्षा को उम्मीद है कि योजना के माध्यम से मिलने वाला लाभ उनकी बेटी के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वह चाहती हैं कि उनकी बेटी बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी करे और जीवन में अपने सपनों को साकार करे। उन्हें विश्वास है कि योजना से मिलने वाली

सहायता बेटी की शिक्षा और विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर परिवार के लिए उपयोगी साबित होगी।

उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं है, बल्कि बेटी के भविष्य को लेकर एक सुरक्षा और भरोसे का आधार भी है। बेटी के नाम से भविष्य के लिए आर्थिक प्रावधान होने की जानकारी ने आकांक्षा को मानसिक रूप से भी राहत दी है।

आकांक्षा का कहना है कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। ऐसी योजनाओं से अभिभावकों में अपनी बेटियों की शिक्षा और भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ता है तथा उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि बेटी का भविष्य सुरक्षित होना पूरे परिवार के लिए खुशी और संतोष की बात है। सरकार की योजनाओं से मिलने वाला सहयोग परिवारों को बेटियों की बेहतर परवरिश और शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है। आकांक्षा ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए चलाई जा रही इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950